पटना ● बुधवार , 16 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः98 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

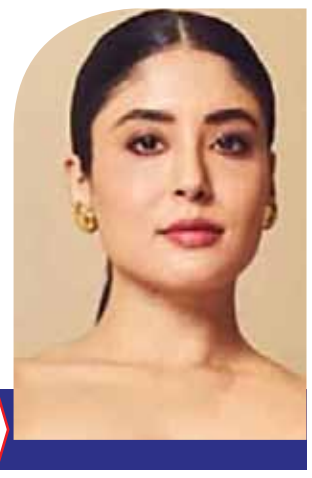

मेहसी बना लीची की राजधानी... 3 www. bordernewsmirror.com छोटी छोटी चीजें मायने रखती... 7

बढ़ते तापमान को लेकर अलर्ट, गंभीर रोगों का बढ़ सकता है खतरा

● तेलंगाना सरकार का बड़ा फैसला लू को ' ' राज्य विशेष आपदा' घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में पारा अभी से 40 पार करने लगा है। मौसम विभाग के विशेषज्ञों ने पहले से ही अलर्ट किया है कि इस साल की गर्मी कई सारे रिकॉर्ड्स तोड़ सकती है। साल 2025 का फरवरी महीना पहले से ही 125 साल में तीसरा सबसे गर्म फरवरी रहा है। अप्रैल की शुरुआत में ही जिस तरह की गर्मी पड़ रही है उसने विशेषज्ञों की चिंता और भी बढ़ा दी है।

हीट स्ट्रोक और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं को देखते हुए कई राज्यों ने अलर्ट जारी कर दिया है। इसी क्रम में तेलंगाना ने विशेष कदम उठाते हुए लू को 'स्टेट स्पेसिफिक डिजॉस्टर' घोषित किया है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि हीटस्ट्रोक से पीड़ित परिवारों को राहत प्रदान की जा सके। नए सरकारी आदेश के तहत लू हीट स्ट्रोक से मरने वाले लोगों के परिजनों को 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। तेलंगाना सरकार ने जारी आदेश में कहा, राज्य सरकार ने सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पीड़ितों के परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से हीटवेव/सनस्ट्रोक को अब से राज्य विशेष आपदा घोषित करने का निर्णय लिया है।

हार्ट और किडनी पर पड़ सकता है असर- गर्म मौसम और हीटवेव किसी को भी प्रभावित कर सकता है। जैसे-जैसे आपका शरीर बढ़ते तापमान के कारण गर्म होता जाता है, आपकी रक्त वाहिकाएं फैलने लगती हैं, जिससे रक्तचाप कम हो जाता है। इसके कारण आपके दिल को पूरे शरीर में रक्त का संचार करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है। ये मौसम हृदय के मरीजों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इसी तरह हीटवेव का आपकी किडनी पर भी नकारात्मक असर हो सकता है, वहीं जिन लोगों को पहले से ही किडनी की दिक्कत है उन्हें और भी सावधान रहना चाहिए। अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहने वाले लोगों में इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन, किडनी इंजरी होने या किडनी में पथरी होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी का एक्शन

राहुल-सोनिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल; 25 अप्रैल को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल है।

इस केस में 12 अप्रैल को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई थी। ईडी ने 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। 661 करोड़ की इन अचल संपत्तियों के अलावा एजेएल के 90.2 करोड़ रुपए के शेयरों को ईडी ने नवंबर 2023 में अपराध की आय को सुरक्षित करने और आरोपी को इसे नष्ट करने से रोकने के लिए कुर्क किया था।

एम्स ऋषिकेश दीक्षांत समारोह में जेपी नड्डा ने कहा

देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता

ऋषिकेश (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एम्स ऋषिकेश में आयोजित पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर 434 मेडिकल छात्रों को अपने हाथों से उपाधि दी। जिसके तहत 14 मेडिकल छात्रों को गोल्ड, एक छात्रा को सिल्वर और एक छात्रा को कांस्य पदक से नवाजा। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। एम्स ऋषिकेश के 434 मेडिकल छात्रों को दी गई उपाधि : एम्स यानी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश में 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया।

तीन महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' कर वसूले थे 7.67 करोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 'डिजिटल अरेस्ट' से संबंधित मामले में कथित रूप से शामिल चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीबीआई प्रवक्ता के अनुसार, 'ऑपरेशन चक्र-वी' के तहत 12 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान के बाद मुंबई और

मुरादाबाद से दो-दो लोगों को गिरफ्तार किया। सीबीआई ने राजस्थान सरकार के अनुरोध पर 'डिजिटल अरेस्ट' मामले की जांच शुरू की। साइबर पुलिस स्टेशन झुंझुनू में यह केस दर्ज था। पीड़ित को विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के फर्जी अधिकारी के रूप में साइबर अपराधियों ने तीन महीने से अधिक समय तक डिजिटल रूप से हिरासत में रखा था। इस अवधि के दौरान पीड़ित से 42 बार वसूली की गई। यह राशि 7.67 करोड़ रुपये थी।

कोटा में स्टेट हाईवे 70 पर भीषण हादसा, बाइक सवार एक परिवार के चार लोगों की मौत

कोटा (एजेंसी)। जिले में कोटा से श्योपुर जा रहे स्टेट हाईवे नंबर 70 पर मंगलवार सुबह करीब आठ बजे भीषण सड़क

हादसा हो गया। सुल्तानपुर थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इनमें पति-पत्नी और बेटा शामिल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पलट गए और सड़क से नीचे उतर खाई में गिर गए।

बंगाल हिंसा पर खुफिया एजेंसियों ने खोले राज

● बांग्लादेशी जिहादी, विदेशी फंडिंग... कैसे रची गई थी हिंसा की प्लानिंग?

कोलकाता (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून के विरोध के नाम पर बंगाल में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसियों को चौंकाने वाले तथ्य मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस हिंसा के पीछे बांग्लादेशी जिहादियों व आतंकी संगठन अंसार उल बांग्ला टीम (एबीटी) का हाथ हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में एबीटी के स्लीपर सेल सक्रिय हैं, जो लंबे समय से इस घटना की योजना बना रहे थे। कुछ माह पहले ही एबीटी के तीन आतंकियों को इसी जिले से असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था जिसमें से दो बांग्लादेशी थे।

तीन महीनों से चल रही थी प्लानिंग- सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की साजिश लंबे समय से रची जा रही थी। पिछले तीन महीनों से इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रही थी। इसके लिए विदेशों से फंडिंग की गई थी। शुरुआती तौर पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को जो सबूत मिले हैं, वह इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि शुरू में रामनवमी की तारीख तय थी। हालांकि, सख्त सुरक्षा व्यवस्था के कारण चीजें बदल गईं और फिर वक्फ संशोधन कानून की आड़ में हिंसा की साजिश रची गई। जांच एजेंसी को इस बात का भी अंदेशा है कि यह स्लीपर सेल मुर्शिदाबाद के अलावा भारत-बांग्लादेश सीमा के अन्य सीमावर्ती भारतीय जिलों के भीतर भी इसी तरह की हिंसा को अंजाम देने की फिराक में है।

● नाव में सवार होकर भारत में घुसे 24 बांग्लादेशी, पुलिस ने की गिरफ्तारी; खुल सकते हैं बड़े राज- महानगर से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के भारतीय सुंदरबन क्षेत्र में नाव के जरिये घुसपैठ करने वाले 24 बांग्लादेशी नागरिकों पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें 11 महिलाएं, नौ पुरुष और चार बच्चे शामिल हैं। सुंदरबन तटीय थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना मिलने के बाद सुंदरबन के चिलमारी जंगल से सटे इलाके में छापेमारी की। वहां से 24 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ करने पर पुलिस को पता चला कि वे सभी बिना किसी वैध दस्तावेज के अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में घुसे हैं। ये घुसपैठी बांग्लादेश से जलमार्ग द्वारा नाव पर सवार होकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर बंगाल पहुंच गए। पुलिस ने सूत्रों से सूचना मिलने के बाद मंगलवार को यह कार्रवाई की। गिरफ्तार लोगों को बुधवार को अलीपुर अदालत में पेश किया जाएगा। दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पुलिस जिला अधीक्षक पलाश चंद्र धाली ने कहा कि 24 लोगों के समूह में से किसी के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं है। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि वे बांग्लादेश से बंगाल में घुसपैठ किए हैं।

अच्छी खुश खबर

थोक के बाद खुदरा महंगाई दर में भी नरमी

● छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुदरा महंगाई मार्च में घटकर छह साल में सबसे कम हो गई है। ये आंकड़े शेयर बाजार बंद होने के बाद जारी हुए। मंगलवार को बाजार में बंपर तेजी देखने को मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ में छूट की घोषणा से सेंसेक्स 1,578 अंक ऊपर गया। मार्च में थोक महंगाई भी घटी है। सब्जियों और प्रोटीन वाली चीजों के दाम कम होने से खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 3.34 फीसदी रह गई। यह पिछले छह सालों में सबसे कम है। इससे पहले अगस्त 2019 में यह दर 3.28 फीसदी थी। भारतीय रिजर्व बैंक इस महंगाई दर को ध्यान में रखकर ही अपनी नीतियां बनाता है। केंद्रीय बैंक ने पिछले हफ्ते रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6 फीसदी कर दिया था।

● महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

जजों को सावधान रहना चाहिए ...

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में जजों को अनुचित टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि जजों को सावधान रहना चाहिए और वे जमानत दे सकते हैं, लेकिन ऐसी टिप्पणियां क्यों करें। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक मामले के संबंध में अपने द्वारा शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले में की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 26 मार्च को मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद आदेश को पूरी तरह से असंवेदनशील बताया और कहा हम यह बताने में दर्द महसूस कर रहे हैं कि यह निर्णय संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है।

महिला ने खुद परेशानी को आमंत्रित किया था अनुचित टिप्पणियों से बचें - सुनवाई के दौरान मंगलवार को बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा एक और हालिया अवलोकन के लिए अपवाद लिया कि महिला ने खुद परेशानी को आमंत्रित किया था और कथित बलात्कार के लिए जिम्मेदार थी। पीठ ने कहा कि हालांकि जमानत देने प्रत्येक मामले के तथ्यों के आधार पर न्यायाधीश का विवेक पर है, लेकिन उसे शिकायतकर्ता के खिलाफ इस तरह की अनुचित टिप्पणियों से बचा जाना चाहिए।

● हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द, सभी राज्य नवजात तस्करी के मामले 6 महीने में निपटाएं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए।

कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही होगी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं। सभी की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करें। केस में हर दिन सुनवाई होनी चाहिए।

संसद में बदले समीकरण, यूसीसी पर आगे बढ़ी मोदी सरकार

● विपक्षी दलों का वक्फ बिल पर समर्थन, अब यूनिफॉर्म सिविल कोड पर तेजी दिखाएगा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ कानून के बाद अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) अब केंद्र सरकार के टॉप एजेंडे में है। सूत्रों के मुताबिक संसद के दोनों सदनों में वक्फ बिल को मिले समर्थन को देखते हुए सरकार ने यूसीसी पर काम आगे बढ़ाने का फैसला किया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से पीछे रह गई। बहुमत के लिए वह जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) पर निर्भर है। संसद के अंकगणित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने विवादित मुद्दे किनारे रखने की रणनीति अपनाई थी। हालांकि, वक्फ बिल को जेडीयी और टीडीपी के अलावा बायएसआरसीपी और बीजेडी जैसे दलों का भी समर्थन मिला था। इसके बाद सरकार यूसीसी पर आगे बढ़ने का मन बना चुकी है।

इसके अलावा तमिलनाडु में एआईएडीएमके को साथ लेने के बाद भाजपा परिसीमन और भाषा जैसे मुद्दों को किनारे लगाना चाहती है। तमिलनाडु में अगले साल चुनाव हैं। इन मुद्दों से डीएमके को फायदा हो सकता है।

मोदी बोले- मैं यूसीसी को सेक्युलर सिविल कोड कहता हूं- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल को हरियाणा में कहा- जब-जब कांग्रेस को सत्ता का संकट दिखा, उन्होंने संविधान को कुचल दिया। संविधान की भावना है कि सबके लिए एक जैसी नागरिक संहिता हो, जिसे मैं सेक्युलर सिविल कोड कहता हूं। कांग्रेस ने इसे कभी लागू नहीं किया। उत्तराखंड में भाजपा सरकार आने के बाद सेक्युलर सिविल कोड डंके की चोट पर लागू हुआ। संविधान को जेब में लेकर बैठे कांग्रेस के लोग उसका विरोध कर रहे हैं।

पति-पत्नी के विवाद ने छीनी तीन जिंदगियां

जोधपुर (एजेंसी)। फलौदी जिले के लोहावट थाना क्षेत्र के कोलू पाबूजी गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। पति-पत्नी के बीच विवाद ने तीन बच्चों की जिंदगी छीन ली। माता-पिता के अपनी दो बेटियों समेत तीन बच्चों की गला रेतकर हत्या कर दी। बच्चों की हत्या के बाद माता-पिता ने जान देने की कोशिश की लेकिन बच गए। फिलहाल दोनों का फलौदी अस्पताल में इलाज चल रहा है। फलौदी एसपी पूजा अवाना ने बताया कि कोलू पाबूजी निवासी 35 वर्षीय शिवलाल मेघवाल के घर बच्चों की गला रेत कर हत्या की जानकारी मिली। पुलिस पहुंची तो तीन बच्चों के गले रेते शव मिले। शिवलाल और उसकी पत्नी जतनो भी अचेत मिले। एसपी अवाना ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। रात को उन्होंने पहले बच्चों को जहर दिया। उसके बाद उनकी हत्या कर दी। इसके बाद शिवलाल व उसकी पत्नी ने खुदकुशी करने का प्रयास किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की बैठक

● तेजस्वी बोले-अमित शाह नीतीश को सीएम फेस नहीं बताते

● दिल्ली में राहुल-खड़गे के साथ 45 मिनट मीटिंग, निशांत का जवाब-पिता ही होंगे मुख्यमंत्री

पटना (एजेंसी)। दिल्ली में मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। यह मीटिंग लगभग 45 मिनट चली। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, जो भी चीजें हैं, मिलकर बैठकर तय हो जाएंगी।

सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- 'बातचीत से सब फाइनल होगा। आपलोग चिंता न करें।' कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है।'

बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें। वहीं राजद की ओर से तेजस्वी यादव के साथ-साथ राजद सांसद मनोज झा, और संजय यादव भी मीटिंग में शामिल हुए।

बिहार के जमीन मालिकों के लिए बड़ी खबर, आखिरी तारीख के बाद भी कर सकते हैं स्वघोषणा जमा

पटना, एजेंसी। बिहार में भूमि सर्वे के लिए स्वघोषणा की तारीख नीतीश सरकार ने 31 मार्च तक तय की थी, लेकिन तारीख समाप्त होने के बाद भी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तरफ से लोगों से जमीन सर्वे के लिए स्वघोषणा जल्द से जल्द करने की अपील की जा रही है. 31 मार्च तक 11500916 स्वघोषणा प्राप्त- 31 मार्च तक जमीन सर्वे के लिए कुल 11,500,916 स्वघोषणा प्राप्त हुई हैं. इसमें रैयतों द्वारा शिविरों में जमा किए गए ऑफलाइन और रैयतों द्वारा निदेशालय की वेबसाइट पर जमा किए गए ऑनलाइन दोनों प्रकार की स्वघोषणा शामिल हैं.

जमीन सर्वे का इतिहास- विभाग ने नया आंकड़ा नहीं किया जारी- दूसरे चरण में शुरू किए गए 36 जिलों के सभी 445 अंचलों (सर्वे शिविरों) में रैयतों द्वारा जमा की गई स्वघोषणा की संख्या को भी जोड़ा गया है. हालांकि संख्या में और बढ़ोतरी हुई है. फिलहाल विभाग के तरफ से नया आंकड़ा जारी नहीं किया गया है.

बिहार में हो रहा भूमि का सर्वे - संजय सरावगी ने जताई थी नाराजगी- राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने जमीन सर्वे के कामकाज की समीक्षा की थी. इसी बीच उन्होंने कुछ जिलों में स्वघोषणा की संख्या काफी कम होने पर नाराजगी जाहिर की और अधिकारियों को सबसे खराब परफॉर्मेंस वाले जिलों/सर्वे शिविरों को चिन्हित करने के निदेश दिए.

राजस्व मंत्री संजय सरावगी - राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को दी थी चेतावनी-इसके अलावा राजस्व

मंत्री संजय सरावगी ने चेतावनी भी दी थी कि खराब परफॉर्मेंस वाले शिविरों के कर्मियों ने 15 दिनों में अपना प्रदर्शन नहीं सुधारा, तो उन्हें कार्य मुक्त किया जाएगा. विभागीय समीक्षा के बाद उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि स्वघोषणा के साथ जमीन के सभी कागजात संलग्न करके देना जरूरी नहीं है. फिलहाल जमीन के जितने कागजात रैयत के पास हैं, उतने ही संलग्न करें, बाकि के कागजात का इंतजाम किस्तवार व खानापुरी के समय तक कर लें.

चंपारण में स्वघोषणा की संख्या कम- राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों के अनुसार पश्चिम चंपारण जिले के 5 अंचलों बेतिया, पिपरासी, मधुबनी, ठकराहा और भितहा में स्वघोषणा की संख्या सबसे कम पाई गई. इसी प्रकार पूर्वी चंपारण जिले के 5 अंचलों, जिसमें पिपराकोठी, तुरकौलिया, बनकटवा, छौड़ादानो और रक्सौल शामिल हैं.

पिपरासी अंचल से मिली 524 स्वघोषणाएं- यहां पर स्वघोषणा की संख्या काफी कम रही. चंपारण के ये 10 अंचल पूरे बिहार में स्वघोषणा प्राप्त करने में सबसे पीछे हैं. बेतिया सदर में अब तक मात्र 187 स्वघोषणा ही प्राप्त हुई है, जबकि पिपरासी अंचल में प्राप्त स्वघोषणा की संख्या मात्र 524 है.

दरभंगा स्वघोषणाएं जमा करने में दूसरे नंबर पर- दूसरी तरफ अररिया सदर अंचल में रैयतों से प्राप्त स्वघोषणा की संख्या 1,36,777 पहुंच गई है. दूसरे नंबर पर आने वाले दरभंगा के बिरौल शिविर में कुल 1,14067 स्वघोषणा प्राप्त हुई हैं. दरभंगा का बहेड़ी, कुशेश्वर स्थान, अररिया का जौकी हाट, फारबिसगंज व पलासी में भी बड़ी संख्या में रैयतों ने स्वघोषणा जमा की है. 9 प्रमंडलों का डाटा अलग करने में लगा समय- इसी प्रकार समस्तीपुर के कल्याणपुर और औरंगाबाद के नबीनगर सर्वे शिविर की स्थिति भी स्वघोषणा प्राप्त करने के मामले में काफी बेहतर है.निदेशालय की आईटी टीम ने बताया कि सभी 9 प्रमंडलों का डाटा अलग करने में समय लगा है, अब तेजी से डाटा आ रहा है.

जमीन सर्वे नीतीश सरकार के लिए मुसीबत-बिहार विधानसभा का चुनाव इसी साल होना है. ऐसे में जमीन सर्वे नीतीश सरकार के लिए गले की फांस बन गई है. बजट सत्र के दौरान भी यह चर्चा होती रही है कि जमीन सर्वे के लिए स्वघोषणा की तिथि सरकार चुनाव तक बढ़ा सकती है. हालांकि आधिकारिक रूप से फिलहाल इसकी कोई तिथि घोषित नहीं हुई है, लेकिन विभाग ने इसे बंद करने की भी घोषणा नहीं की है.

आंधी-बारिश में गिरी दीवार, दूल्हे के पिता सहित चार घायल

तिलक समारोह के दौरान हुआ हादसा, डॉक्टर बोलें- सभी खतरे से बाहर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में तिलक समारोह में सब्जी काट रहे दूल्हे के पिता सहित चार लोगों पर आंधी-बारिश के दौरान दीवार गिर गई। परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। घटना जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सोंधी गांव की है। घायलों में सोंधी गांव निवासी स्व.सूरज राम का बेटा संजय राम, पीरो थाना क्षेत्र निवासी राजेंद्र राम की बेटी आशा देवी, अनिल

राम की पत्नी दुर्गावती देवी और बचरी गांव निवासी चुनमुना देवी शामिल हैं। घटना की जानकारी देते हुए परिजन पवन कुमार ने बताया कि जख्मी संजय राम के बेटे जीतू कुमार का सोमवार को तिलक समारोह था। इसी दौरान हादसा हुआ।

सभी रिश्तेदार उसी के शादी में शामिल होने के लिए सोंधी गांव आए थे। सभी लोग घर में तिलक समारोह के आयोजन में जुटकर सब्जी काट रहे थे। इसी बीच सोमवार की देर शाम तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। उसी दौरान पड़ोस के घर के छत का दीवार गिर गया, जिससे दूल्हे के पिता समेत चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए सभी को आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि तीन लोगों के सिर में गंभीर चोटे आई है। सभी का सीटी स्कैन कराया जा रहा है अभी ऑब्जर्वेशन में रखा गया है(हालांकि सभी खतरे से बाहर है।

नालंदा में 4-15 मई तक होगा खेलों इंडिया यूथ गेम्स-2025

जिला प्रशासन कर रहा भोजन और नाश्ते की व्यवस्था, मेन्यू में चना घुघनी, सत्तू पराठा, दाल पीठा भी शामिल

नालंदा, एजेंसी। खेलों इंडिया यूथ गेम्स-2025 का आयोजन 4 मई से 15 मई तक बिहार के नालंदा जिले में होने जा रहा है। इस दौरान खिलाड़ियों और स्टाफ को ऊर्जा और ताकत देने के लिए जिला प्रशासन ने भोजन और नाश्ते की शानदार व्यवस्था की योजना बनाई है। नालंदा समाहरणालय ने इसके लिए एक विस्तृत जानकारी शेयर की है, जिसमें खिलाड़ियों के लिए सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन,

शाम की हाई-टी और रात का खाना शामिल है। आइए जानते हैं कि इन युवा सितारों को कब क्या परोसा जाएगा।

3 मई को 292 लोगों से शुरू होकर, 9 मई को अधिकतम 1959 लोग भोजन करेंगे। इसके बाद 16 मई तक संख्या धीरे-धीरे 777 तक कम होगी। जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए निविदा जारी की है कि भोजन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बरकरार रहे। निविदा में साफ कहा गया है कि भोजन बनाने वाली एजेंसी को एफएसएसएआई मानकों का पालन करना होगा। प्लास्टिक के बर्तनों पर रोक रहेगी, और साफ-सफाई के साथ-साथ समय पर आपूर्ति की जिम्मेदारी भी एजेंसी की होगी। खेलों इंडिया यूथ गेम्स-2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को न सिर्फ खेलने का मौका मिलेगा, बल्कि स्वाद और सेहत से भरपूर भोजन भी उनका हौसला बढ़ाएगा। नालंदा जिला प्रशासन इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

जदयू में शोक की लहर, सड़क दुर्घटना में बड़े नेता ने गंवाई जान, एनएच 139 पर हुआ हादसा

संवाद सूत्र, कलेर (अरवल)। राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर बुलाकी बीगहा मोड़ के समीप मंगलवार की सुबह एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में जदयू नेता समेत दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान मेहंदिया थाना क्षेत्र के नाथ खरसा निवासी जितेंद्र शर्मा उर्फ जीतन एवं बेलसार गांव निवासी धनंजय शर्मा के रूप में हुई है। जितेंद्र शर्मा जदयू के जिला उपाध्यक्ष सह जिला बीस सूत्री सदस्य थे। घायल की पहचान मेहंदिया थाना क्षेत्र के चंदा पैक्स अध्यक्ष संजय शर्मा, टीन शर्मा एवं मैनपुरा निवासी संतोष कुमार संतोष कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार सवार पांच लोग झारखंड में स्थित रजरप्पा मंदिर से पूजा करके वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान उनकी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर ट्रक में पीछे से घुस गई।

पूर्णिया में भाई ने भाई पर चाकू से किया वार, बचाने गए लोगों पर भी हमला किया

धारदार चाकू से गला, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 घातक वार किए

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में सनकी भाई ने अपने ही सगे भाई को धारदार चाकू से गोद डाला। छोटे भाई ने बड़े भाई के गले, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार किए। इस क्रूर वारदात को देख जिस किसी ने भी बीच बचाव की कोशिश की, हमलावर ने बचाने पहुंचे लोगों पर भी हमला करना चाहा, जिससे घटनास्थल पर चीख पुकार और अफरातफरी मच गई।

हालांकि युवक हमले के बाद भागता इससे पहले ही कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाई और उसे पकड़ लिया। दिल दहला देने वाली घटना शहर के मरंगा थाना क्षेत्र के सुदिन चौक टीओपी के शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप रात गए 9:30 बजे घटी है।

सूचना के 5 मिनट के अंदर पहुंची पुलिस- सूचना के 5 मिनट के भीतर ही सुदिन चौक टीओपी की पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद पकड़े गए भाई को हिरासत में लेकर मरंगा थाना भेज दिया। जबकि खून से लथपथ जख्मी शख्स को आनन फानन में जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया। जहां डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। युवक को पहले फातमा और फिर मैक्स सेवन में एडमिट कराया गया है, जहां घायल शख्स की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

जख्मी शख्स की पहचान मधेपुरा जिले के कुमारखंड गांव निवासी राधेश्याम पोद्दार के बेटे सुनील पोद्दार 28 के रूप में हुई है, जबकि हमला करने वाले छोटे भाई का नाम प्रहलाद कुमार है। घटना की जानकारी देते हुए मंझौले भाई ने बताया कि वे लोग तीन भाई हैं। घर की माली हालत ठीक न होने की वजह से वे लोग मधेपुरा से पूर्णिया में आकर पिछले कई सालों से रह रहे हैं। इनमें बड़ा भाई सुनील पोद्दार लाइन

बाजार स्थित अभिज्ञान पैथोलॉजी में काम करता है। छोटा भाई उनके साथ ही किराए के मकान में शक्तिनगर इलाके में रहता है। जबकि वो पॉलीटेक्निक चौक स्थित लॉज में रहते हैं। रोजाना की तरह बड़ा भाई सुनील पोद्दार साइकिल से पैथोलॉजी से काम कर घर लौट रहे थे। इसी साइकिल पर छोटा भाई प्रहलाद कुमार बैठा था। प्रहलाद साइको है। उसे ये लगता है कि बड़ा भाई उसके ऊपर नजर रखता है और उसका बुरा चाहता है। इसी को लेकर लौटने के क्रम में शक्तिनगर स्थित ब्राइट करियर स्कूल के समीप उसने साइकिल चला रहे बड़े भाई सुनील पोद्दार पर धारदार चाकू से गला, चेहरे, बांह, सीना और फेफड़े पर 10 से भी अधिक घातक वार कर दिया। इस जानलेवा हमले में वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े।

हमले के वक्त स्थानीय के बीच बचाव में आने पर साइको प्रहलाद ने उनके ऊपर भी हमला कर चाहा और फिर वारदात को अंजाम देकर भागने की कोशिश करने लगा। जिसे स्थानियों के सहयोग से धर दबोचा गया। मौके पर मौजूद एक्टिविस्ट सुशांत कुशवाहा ने सुदिन चौक टीओपी को कॉल कर वारदात की जानकारी दी। सूचना मिलने के 5 मिनट के भीतर ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

मामले की जानकारी देते हुए सुदिन चौक टीओपी प्रभारी कुमार पंकज ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वे दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मरंगा थाना का पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि घायल की नाजुक हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए जीएमसीएच पूर्णिया लेकर पहुंचे, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए परिजन पहले उसे लाइन बाजार स्थित फातमा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। हालांकि काफी खून बह जाने और क्रिटिकल कंडीशन होने की वजह से डॉक्टरों ने जख्मी युवक को हायर सेंटर रेफर कर दिया, जहां से परिजन उसे लेकर कसवा के मैक्स 7 अस्पताल पहुंचे हैं। यहां युवक जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

गया होकर धनबाद-चंडीगढ़ के बीच स्पेशल ट्रेन

27 जून तक तीन गाड़ियां चलाई जाएंगी, सभी कोच एसी के होंगे

गया, एजेंसी। गया में गर्मी की छुट्टियों में ट्रेनों में भीड़ से जूझ रहे यात्रियों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। रेलवे ने धनबाद से चंडीगढ़ के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है, जो गया जंक्शन होते हुए गुजरेगी। यह ट्रेन उत्तर भारत के कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे गया समेत आसपास के जिलों के यात्रियों को भी सफर का बेहतर व सुलभ विकल्प मिलेगा।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से 27 जून तक तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 03311 हर मंगलवार और शुक्रवार को रात 11:50 बजे धनबाद से चलेंगी और गया, डीडीयू, वाराणसी, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद होते हुए तीसरे दिन सुबह 3:30 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 03312 चंडीगढ़ से हर बृहस्पतिवार और रविवार को सुबह 6 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 9 बजे धनबाद पहुंचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 03313 हर शनिवार को धनबाद से चलेगी और ट्रेन संख्या 03314 हर सोमवार को चंडीगढ़ से वापसी करेगी।

ये सभी ट्रेनें गरीब रथ स्पेशल होंगी, जिनमें कुल 18 एसी कोच लगाए जाएंगे। खास बात यह है कि ये ट्रेनें गया, डीडीयू और वाराणसी जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर रुकेंगी, जिससे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को भी सहूलियत मिलेगी। रेलवे का यह फैसला रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में बड़ा सहारा देगा। सम्भावना जताई जा रही है कि गर्मी की छुट्टियों में घूमने या घर लौटने वालों को अब सीट की टेंशन नहीं सताएगी।

बाइक लोन विवाद में सिर काटकर हत्या का खुलासा:सीतामढ़ी में आरोपी गिरफ्तार, चाकू बरामद

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी के सोनबरसा थाना क्षेत्र में दिसंबर महीने में झीम नदी के पास तालाब से मिली सिर कटी लाश के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। मृतक की पहचान नंदू साह के रूप में हुई थी। पुलिस ने इस हत्या के मामले में एक आरोपी रौशन कुमार उर्फ मुक्का को गिरफ्तार किया है, जो मुसहरनियां गांव का निवासी है।

गिरफ्तार आरोपी रौशन कुमार की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू को भी तालाब से बरामद कर लिया है। इस मामले में अब

तक तीन लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, जिनमें दो आरोपी अभी फरार हैं।

सदर एसडीपीओ आशीष आनंद ने बताया कि मृतक और आरोपी एक साथ काम करते थे। आरोपियों ने नंदू साह के नाम पर एक बाइक फाइनेंस करवाई थी, जिसकी जानकारी नंदू को नहीं थी। इस बाइक का इस्तेमाल वे नेपाल से शराब की तस्करी के लिए कर रहे थे। मामला तब बिगड़ा जब नेपाल में बाइक जब्त हो गई और किश्तें नहीं चुकाने पर फाइनेंस कंपनी का एजेंट नंदू के घर पहुंच गया।

नंदू को जब इस धोखाधड़ी का पता चला तो उसने विरोध जताया। इसी के बाद तीनों ने साजिश रचकर उसकी हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया। आरोपी इतनी बेरहमी से पेश आए कि शव का सिर भी धड़ से अलग कर दिया। एसडीपीओ आशीष आनंद ने बताया कि पुलिस के पास पुख्ता तकनीकी साक्ष्य हैं और जल्द ही बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे की साजिश को जल्द कोर्ट में पेश कर आरोपियों को सजा दिलाने की पूरी तैयारी की जा रही है।

बेटी-बेटे संग मां ने खाया जहर, बच्चों की मौत

सुसाइड नोट में लिखा- पति नाजायज संबंध बनाने का दबाव बनाता था, मारपीट करता था

गया, एजेंसी। गया में रविवार की रात मां ने अपने दो बच्चों को जहर देने के बाद खुद भी जहर खा लिया। सोमवार की सुबह 8 साल के बेटे संकेत की मौत हो गई। वहीं, 12 साल की पल्लवी कुमारी ने दोपहर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला की स्थिति गंभीर है। मगध मेडिकल अस्पताल के आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है।

महिला की पहचान मुन्नी देवी (37) के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टर को एक पर्ची मिली। पर्ची में मुन्नी ने अपने पति जितेंद्र पासवान (40) पर जबरदस्ती नाजायज संबंध बनाने के लिए मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पर्ची को जब्त कर लिया है। घटना डोभी थाना क्षेत्र के अंगरा गांव की है। बताया जा रहा कि रविवार को जितेंद्र पासवान ने मुन्नी के साथ मारपीट की थी। इस घटना के बाद मुन्नी देवी ने बच्चों के साथ आत्महत्या की कोशिश की।

एक ग्रामीण ने बताया कि परिवार में कुल 5 सदस्य

थें। पति जितेंद्र ट्रक चलाता है। 14 साल के बेटे अंकित कुमार है, जो अपने पिता के साथ काम करता है। रविवार को घर में मारपीट के बाद जितेंद्र ट्रक लेकर निकल गया था। अभी तक जितेंद्र अपने घर नहीं पहुंचा है। मुन्नी अस्पताल में अकेली है। सास-ससुर की मौत पहले ही हो चुकी हैं।

ग्रामीण ने बताया- रात में जहर खाने के बाद बेटी पल्लवी और संकेत चिल्लाने लगे थे। आवाज सुनकर आसपास के लोग मुन्नी के घर पहुंचे तो देखा पल्लवी बेसुध बड़ी है, मां-बेटे की स्थिति खराब हो रही है। तीनों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए तीनों को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। संकेत ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाद में बेटी की भी मौत हो गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी के डॉक्टर ऋतुराज ने बताया- महिला के पास से एक नोट मिला था, जिसमें लिखा है पति जितेंद्र हमेशा मारपीट करता है। दूसरों से नाजायज संबंध बनाने के लिए दबाव बनाता है। इसी से परेशान होकर आत्महत्या कर रही हूं। वहीं, डोभी पुलिस ने बच्चों के शव का पंचनामा कराकर मगध मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम कराया।

शेरघाटी डीएसपी-2 संजीत कुमार प्रभात ने बताया- घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। एसआई सत्यम कुमार को एफएसएल की टीम से जांच करवाने के निर्देश दिए हैं। नाजायज संबंध का मामला सामने आया है। महिला के पति को जानकारी दे दी गई है। उसे वापस घर आने को कहा गया है। फिलहाल वह नहीं लौटा है। पति से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में मारपीट, 12 लोग गिरफ्तार:रोहतास में तीन थानों की पुलिस ने की कार्रवाई

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के काराकाट थाना क्षेत्र के सिकरिया गांव में दो पक्षों के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि सिकरिया गांव से विवाद और मारपीट की सूचना मिली।

इस पर काराकाट, नासरीगंज और कच्छवां थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। काराकाट सीओ ने 18 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपियों पर सरकारी काम में बाधा डालने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप है। गिरफ्तार लोगों में सादाब हुसैन, तसलीम अंसारी, इफ्तेखर अंसारी, खुर्शीद आलम और जुलेखा खातून शामिल हैं। इसके अलावा नाहौना के सैयद, भड़कुड़िया दरिहट के तसलीम अंसारी और छपरा गांव अकोढ़ीगोला के सलामत अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया है। सिकरिया गांव के दुनमुन सिंह के दो बेटे संतोष सिंह और जवाहिर सिंह, जवाहिर की पत्नी आशा देवी और उनका बेटा उदय सिंह भी गिरफ्तार किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान काराकाट के बीडीओ और सीओ भी मौके पर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रक्सौल में 150 साल पुराने शिवमंदिर का हुआ पुनर्निर्माण

प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हुआ भव्य आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्सौल स्थित सूर्य मंदिर परिसर से सटे लगभग 150 वर्ष पुराने पौराणिक शिव मंदिर का कायाकल्प हो चुका है। वर्षों से खंडहर अवस्था में पड़े इस मंदिर को अब एक भव्य और सुंदर स्वरूप प्राप्त हो गया है। श्रद्धालुओं के अनुसार यह शिवलिंग प्राकृतिक रूप से जनेऊ धारण किए हुए था, लेकिन 2015 में आए विनाशकारी भूकंप ने मंदिर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया था। मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प बिमल एवं प्रदीप रूंगटा की माता इंद्रा देवी रूंगटा ने लिया था।जो अब पूरी हो चुकी है।स्थानीय लोगो ने बताया कि 70 वर्षीय इंद्रा देवी जब मंदिर दर्शन को गईं तो उसकी जर्जर हालत देखकर भावुक हो उठीं और अपने परिवार के सहयोग से मंदिर के जीर्णोद्धार का निर्णय लिया। इसको लेकर इंद्रा देवी ने अपने पुत्रों, पुत्रवधु रचना रूंगटा एवं पौत्र गौरांग रूंगटा के साथ मिलकर मंदिर के पुनर्निर्माण की रूपरेखा बनाई। इस कार्य में आनंद रूंगटा ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। आज यह मंदिर एक सांस्कृतिक धरोहर के रूप में सामने आया है, जिसका गुंबद दूर से ही आकर्षण का केन्द्र बन गया है।इस भव्य मंदिर का निर्माण उज्जैन के कारीगरों की कलात्मकता से हुआ है। मंदिर के शिखर और गुंबद की सुंदरता देखते ही बनती है। मंदिर परिसर में शिवलिंग के साथ माता पार्वती, श्रीगणेश कार्तिक जी और नंदी जी की मूर्तियाँ भी स्थापित की गई हैं। उल्लेखनीय है,कि यह मंदिर को पूर्णतः वातानुकूलित बनाया गया है।कई दिनो यहां चल रहे पूजा अनुष्ठान के पश्चात मंगलवार को विधिवत रूप से मथुरा से आए विद्वानों द्वारा प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई।

एमएस कॉलेज में स्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा रही शांतिपूर्ण

बीएनएम। मोतिहारी। बी.आर.ए बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी.बी.सी.एस) तृतीय सेमेस्टर, सत्र -2023-27 की परीक्षा दिनांक- 03/04/2025 से प्रारंभ है । दिनांक -15/04/2025 को परीक्षा के सातवें दिन मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में एम.डी.सी विषय के अंतर्गत मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, इतिहास और संस्कृत विषयों की परीक्षा हुई। पहली पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 1225 रही। वहीं दूसरी पाली में एम.डी.सी विषय के अंतर्गत हिंदी विषय की परीक्षा हुई। दूसरी पाली में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 1688 रही। परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव के हवाले से मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है ।

पुलिस को देख बाईक छोड़कर भागा शराब तस्कर, 108 बोतल नेपाली शराब बरामद

बीएनएम। पताही। थाना क्षेत्र में पुलिस गश्ती के दौरान एक शराब तस्कर मोटरसाइकिल और भारी मात्रा में नेपाली शराब छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, पताही थानाध्यक्ष विनीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम संस्कृत विद्यालय नारायणपुर के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान एक ग्लैमर मोटरसाइकिल को जांच के लिए रोका गया। जैसे ही पुलिस टीम वाहन की ओर बढ़ी, उस पर सवार तस्कर मोटरसाइकिल और शराब छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस को पहले से ही गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान ग्लैमर मोटरसाइकिल से कुल 108 बोतल नेपाली सोफिया ब्रांड की शराब बरामद की गई। पुलिस ने मोटरसाइकिल और शराब को जब्त कर लिया है। फरार तस्कर की पहचान व सत्यापन की प्रक्रिया जारी है, तथा उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बैंक से निकासी के बाद महिला से 49 हजार की ठगी, बच्ची के झोले से की अदला-बदली

बीएनएम। तुरकौलिया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से 49 हजार रुपये निकालकर बाहर निकली फतुहा मिश्र टोला निवासी बबिता देवी ठगी की शिकार हो गईं। बैंक के बाहर उन्होंने पैसे वाला झोला अपनी छोटी बच्ची को दे दिया और पासबुक छपवाने लगीं। इसी दौरान ठगों ने बच्ची से झोला बदल दिया। ऑटो में बैठने के बाद जब उन्होंने झोला देखा, तो उसमें रुपये की जगह रुमाल में लपेटा हुआ कागज और एक नकली बंडल निकला, जिसमें मात्र एक 500 का नोट था। बबिता देवी ने बताया कि यह पैसा उन्होंने कर्ज चुकाने के लिए निकाला था। घटना के बाद वह रोती-बिलखती थाने पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच की जा रही है।

मेहसी बना लीची की राजधानीः लीचीपुरम उत्सव- 2025 का हुआ समापन

» विज्ञान और संस्कृति का अद्भुत संगम

बीएनएम। मोतिहारी

जिला का मेहसी प्रखंड बिहार के प्रमुख लीची उत्पादक क्षेत्रों में अग्रणी अब 'लीची की राजधानी' के रूप में अपनी पहचान मजबूत करता जा रहा है। इसी क्रम में ऐतिहासिक तिरहुत उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय 17वें लीचीपुरम उत्सव- 2025 का समापन सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगीन छटा के बीच हुआ। यह आयोजन लीची की खेती, कृषि, विज्ञान, परंपरा और लोकसंस्कृति का अनूठा संगम रहा, जिसमें देशभर से आए वैज्ञानिकों, कलाकारों और किसानों ने भाग लिया।उत्सव का शुभारंभ लीची अनुसंधान केंद्र, मुसहरी (मुजफ्फरपुर) के निदेशक डॉ. विकास दास, प्रसिद्ध लीची वैज्ञानिक डॉ. उपग्ज्ञा, डॉ. आलोक मिश्रा, मुखिया संघ अध्यक्ष राकेश पाठक और उत्सव समिति के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर 40 पन्नों की एक रंगीन स्मारिका पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसमें मेहसी की लीची विरासत और इस आयोजन की यात्रा को दर्शाया गया है। वहीं डॉ. विकास दास ने अपने संबोधन में कहा कि मेहसी में मौजूद दो से तीन सौ साल पुराने शाही लीची के वृक्ष को बिहार की धरोहर घोषित कर उसे सरकारी संरक्षण और जियो-टैगिंग के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक वृक्ष को रजिस्टर्ड करने की प्रक्रिया भी शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि लीचीपुरम मेहसी में लीची को लेकर इतना बड़ा आयोजन बेमिसाल है और एनआरसी आगे कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय किसानों को सीधे लीची अनुसंधान केंद्र से जोड़ने और उन्हें वैज्ञानिक सलाह, प्रशिक्षण व तकनीकी सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई। स्वयं मेहसी से जुड़ी लीची वैज्ञानिक डॉ. उपग्या ने कहा, "मैं इस क्षेत्र की बहू हूं और यहां के किसानों की सेवा मेरा धर्म है।" उन्होंने किसानों को अनुसंधान केंद्र की योजनाओं से अधिकतम लाभ दिलाने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयासरत रहने का वादा किया। प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक मिश्रा ने बिहार की लीची को अंतरराष्ट्रीय मंच दिलाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह उपज वैश्विक ब्रांड बनने की क्षमता रखती है। तीन दिनों तक चले इस उत्सव के दौरान लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, योग गीत, छठ गीत, देशभक्ति गीत समेत दर्जनों सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्तार आलम, मंजीत प्रकाश के गायन, लेवाना पब्लिक स्कूल, चकिया, बुद्धा गर्ल्स स्कूल, वैशाली, और मेहसी सेंट्रल स्कूल के बच्चों ने सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों पर सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। सबसे बड़ा आकर्षण दरभंगा की सृष्टि फाउंडेशन की टीम रही जिसने शिव स्तुति, मिथिला लोकनृत्य, झूमर, राधा-कृष्ण नृत्य जैसी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। टीम का नेतृत्व गुरु जयप्रकाश पाठक ने किया और प्रमुख कलाकारों में श्रुति सिंह, रितु रानी, कुमुद शर्मा, माही गुप्ता आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपक गुड्डू व सुदिष्ट नारायण ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। गौरतलब हो कि लीचीपुरम उत्सव की शुरुआत वर्ष 2008 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा की गई थी। तब से यह आयोजन पूर्वी चंपारण ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए गौरव का विषय बन चुका है। यह किसानों, वैज्ञानिकों और संस्कृति प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान करता है। पिछले वर्षों में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी समेत कई बड़े नेता भी इस आयोजन में शिरकत कर चुके हैं। अब यह बिहार के पाँच प्रमुख वार्षिक आयोजनों में गिना जाने लगा है। इस उत्सव को सफल बनाने में लीचीपुरम उत्सव समिति की केंद्रीय भूमिका रही। समिति के महासचिव सुदिष्ट नारायण ठाकुर, उपाध्यक्ष राकेश पाठक, सत्यदेव राय आर्य, मनोज मेहसवी, विनोद दुबे, अरविंद कुमार गुप्ता, बी के बीरेंद्र, शंकर कुशवाहा, डॉ मनोज कुमार, कृत नारायण कुशवाहा, जयंत कुमार मोनू, राजीव कुमार, मीडिया प्रभारी हामिद रज़ा और अन्य सदस्यों ने दिन-रात मेहनत कर आयोजन को भव्य रूप दिया।

चंपारण सत्याग्रह गांधी जी के नैतिक बल और साहस का जीवंत उदाहरणःराज्यपाल

बीएनएम। मोतिहारी

गांधी जी के पास न तो कोई शारीरिक शक्ति थी और न ही हथियार। लेकिन उनका नैतिक बल,धैर्य और साहस इतना मजबूत था,कि उन्होने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। चंपारण सत्याग्रह इसका जीवंत उदाहरण है। उक्त बाते मंगलवार को मोतिहारी स्थित बापू सभागार में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कही। राज्यपाल महात्मा गांधी के चंपारण पहुंचने के स्मृति में आयोजित 'चंपारण सत्याग्रह, गांधी और किसान' विषयक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि हमें सत्य और अहिंसा आधारित चंपारण सत्याग्रह की स्मृतियों को संजोकर रखने की जरूरत है, जिसने देश को नई दिशा दी।उन्होंने कहा कि जो कौम अपनी ऐतिहासिक विरासत भूलती है,उसका इतिहास और भूगोल भी मिट जाता है।इसके पूर्व राज्यपाल ने गांधी संग्रहालय और चरखा पार्क भी पहुंचे,जहां उन्होने चंपारण सत्याग्रह से जुड़ी तस्वीरों और मूर्तियों का अवलोकन किया और कहा कि चंपारण के लोग सत्याग्रह की विरासत को प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं। बाहर से जो भी आकर चरखा पार्क और गांधी संग्रहालय को देखता होगा उन्हे सत्याग्रह की पूरी अनुभूति हो जाती होगी। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जिले के किसान,बुद्धिजीवी,छात्र व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

बापू के चंपारण आगमन की स्मृति को किया गया याद,दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी के चंपारण आगमन की स्मृति में मंगलवार को मोतिहारी के बापू धाम रेलवे स्टेशन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है,कि 15 अप्रैल 1917 में गांधी जी निलहे अंग्रेजो के अत्याचार से त्रस्त किसान राजकुमार शुक्ल के आमंत्रण पर चंपारण के किसानों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान निकालने के उद्देश्य से यहां की ऐतिहासिक यात्रा की थी। जो चंपारण सत्याग्रह रूप अख्तियार कर भारत की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।इसके साथ ही इस मौके पर चंपारण सत्याग्रह और किसान आंदोलन में गांधी जी के सहयोगी रहे पं. राजकुमार शुक्ल, बाबू लोमराज सिंह, गोरख प्रसाद, पत्रकार पीरमहमद मुनीश,शीतल राय, शेख गुलाब जैसे नेताओं को भी स्मरण कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्टेशन अधीक्षक दिलीप कुमार ने की तथा संयोजन नवनीत कुमार गिरि और आकर्ष कुमार तिवारी ने किया। कार्यक्रम में राय सुन्दर देव शर्मा, अधिवक्ता विनय सिंह, डॉ. कमलेश कुमार, उषा त्रिवेदी,सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार, रंजीत गिरि, संजय सत्यार्थी, राजीव रंजन, सोनू कुमार, अमिता निधि, किशोर पांडेय,रेल सुरक्षा बल प्रभारी भरत प्रसाद सहित दर्जनों गांधीवादी व स्वतंत्रता सेनानियो के उत्तराधिकारी उपस्थित रहे।

अजीमुश्शान इजलास ए आम का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

अंजुमन शुब्बनानुल इस्लाम सिसवा के बैनर तले चंपारण की मशहूर बस्ती बंजरिया मोतिहारी में एक अजीमुश्शान इजलास ए आम का आयोजन किया गया। इस सभा की अध्यक्षता मौलाना असगर अली इमाम मेहदी जो केंद्रीय जमीयत अहले हदीस हिंद के अध्यक्ष एवं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष ने किया और निजामत जमील अख्तर शफीक ने किया। इस जलसे में मुल्क के मशहूर खतीब मौलाना जर्जिस सिरजी, खुर्शीद आलम मदनी, डॉ. अरशद फहीम मदनी, मौलाना नुरुल इस्लाम सलफी, प्रसिद्ध शायर मौलाना हाशिम सलफी और युवा खतीब मौलाना नेयाज अहसन तैमी, मौलाना हाफिज शकील अहमद असरी और मो. अली उमरी ने खिताब से लोगों को नवाज। इस जलसा ए आम को कामयाब बनाने में पूरे गांव वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जिन लोगों को जिस काम का जिम्मा दिया गया था उनलोगों ने इस काम को बखूबी अंजाम दिया। इस आयोजन को कामयाब बनाने में सबसे ज्यादा योगदान मौलाना हाफिज शकील अहमद असरी ने जिन्होंने इतने बड़े-बड़े उल्मा हज़रात को इस सिसवा की बस्ती में जमा किया और अंजुमन शुब्बनानुल इस्लाम सिसवा के बैनर तले इस जलसे को कामयाब बनाया उसमें सबसे खास योगदान सादिक अहसन साहब, फैसल नदीम सर, मोहम्मद वकील साहब (सचिन अंजुमन शुब्बनानुल इस्लाम सिसवा), तबरेज आलम, ज़फिर आजाद चमन (प्रमुख बंजरिया) फैजुर रहमान साहब, कैमरे आजम, आफताब आलम, नसीम अख्तर मोहम्मद नसीमुद्दीन, मोहम्मद इस्माइल ने कुशल भूमिका निभाया। इसके साथ-साथ डॉक्टर उमेश अख्तर, डॉ. मुख्तारउल हक, डॉ. आदिल अहसन, सादिक अनवर, मोहम्मद मारूफ, शाह आज़म, हैदर फैज, नुमान जिया, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अजीज, अबू तालिब, अकील, उमर, मासूम ने भी इस जलसे को कामयाब बनाने में अपना अहम योगदान दिया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर माउंट सीना एकेडमी के डायरेक्टर इंजीनियर अनिसुर रहमान ने दिया है।

सीकरीया बी.एड. कॉलेज में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

बीएनएम। मोतिहारी

सीकरीया बी.एड. कॉलेज के राधा कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित अतिथियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व न्यायाधीश सत्यनारायण राम, राष्ट्रीय दलित मानवाधिकार अभियान के राज्य समन्वयक विधानंद राम, तुरकौलिया के मुखिया रामजन्म पासवान, उपमहापौर डॉ. लालबाबू प्रसाद, भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया तथा कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. शंभूनाथ सीकरीया सहित नगर निगम मोतिहारी के पार्षदगण उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. शंभूनाथ सीकरीया ने कहा कि "बाबा साहब एक महान विचारक, विधिवेत्ता और सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे। उन्होंने भारतीय संविधान की रचना के माध्यम से हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। हमें उनके विचारों को अपनाकर समाज में समता और न्याय की स्थापना करनी होगी।" समारोह के दौरान अतिथियों ने बाबा साहब के जीवन, योगदान और उनके आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. शंभूनाथ सीकरीया को अतिथियों द्वारा शॉल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया ने सभी उपस्थित पार्षदों और अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में यमुना सीकरीया ने कहा कि "मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में दलितों और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। 2047 तक एक समावेशी, भेदभाव रहित और जातिवाद मुक्त भारत का निर्माण करना हमारा लक्ष्य है।" इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य नागरिक जैसे धीरज जायसवाल, सत्य प्रकाश राम, डॉ. संजय, राजेश राम, रामप्रवेश राम, शारदा राम, महावीर पासवान, राजू पासवान, किरण राम और पल्लवी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रीति दूबे ने किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

बीएनएम। मोतिहारी

जागृति सेवा फाउंडेशन एवं महिला सेवा सशक्तिकरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला सेवा सशक्तिकरण मंच की संस्थापक अध्यक्ष बबीता श्रीवास्तव ने की। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. अंबेडकर कल्याण संघ बिहार प्रदेश के अध्यक्ष जगाराम शास्त्री, जिला अध्यक्ष शर्मिला तिवारी, कोर कमेटी अध्यक्ष अलीशा सिंहा, माला श्रीवास्तव, अमिता आज़ाद, ओनम सिंह, नलिनी श्रीवास्तव, ब्यूटी सिंह (मेकअप आर्टिस्ट), रेनू वर्मा, पुष्पा सिंह और रेखा उपाध्याय उपस्थित रहीं। मुख्य वक्ता बबीता श्रीवास्तव ने डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने समाज को "शिक्षित बनो, संगठित हो और संघर्ष करो" का मूलमंत्र दिया। उन्होंने छुआछूत, जातिवाद और सामाजिक विषमता के खिलाफ संघर्ष कर समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों को समाज में स्थापित किया। इस अवसर पर राकेश कुमार, पत्रकार अशोक वर्मा एवं अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार साझा किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत स्कूली बच्चों द्वारा डॉ. अंबेडकर के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें उनके संघर्ष, संविधान निर्माण में योगदान और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को प्रभावी रूप से दर्शाया गया। कार्यक्रम में निर्मल सिंह, सृष्टि कुमारी, पंकज कुमार, राजकुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति और समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

आवास सहायक पर रिश्वत मांगने का आरोप

बीएनएम। केसरिया। आवास योजना के लाभुक से राशि भुगतान करने में रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। उक्त आरोप आवास सहायक पर लगा है। मामले में आवास सहायक पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए बैरिया के अमित राउत व रंजीत राउत ने बीडीओ को आवेदन देकर जाँच की मांग की है। बताया है कि आवास योजना के लिए नाम चयन हुआ है। इसके बावजूद आवास सहायक राजीव कुमार द्वारा भुगतान करने के ऐवज में बीस हजार रुपया रिश्वत की मांग की जा रही है। रिश्वत की राशि नहीं देने पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि आवास भुगतान सूची में वरीयता में नीचे क्रम वाले लाभुकों का रिश्वत लेकर भुगतान किया जा रहा है। सूचक ने आरोप लगाते हुए कहा है कि ऐसी स्थिति प्रखण्ड क्षेत्र के अधिकांश पंचायत में है। वहीं बैरिया के नीतेश कुमार ने मामले को लेकर लोकशिकायत में परिवाद दायर किया है। इस संबंध में बीडीओ कुमुद कुमार ने बताया है कि मामला संज्ञान में आया है। मामले की जाँच की जाएगी।

दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण

बीएनएम। सहरसा। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य पर जिले के सत्तर कटैया प्रखंड अंतर्गत पटोरी पंचायत के महादलित टोला, वार्ड संख्या-5 में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीएम वैभव चौधरी एवं उप विकास आयुक्त संजय कुमार निराला की उपस्थिति में दिव्यांगजनों को संबल योजना के अंतर्गत सहायता उपकरणों का वितरण किया गया। एक लाभुक को व्हीलचेयर, एक को ट्राइसाइकिल तथा एक अन्य लाभुक को वैशाखी प्रदान की गई। इस अवसर पर मेयर बैन प्रिया, सदर विधायक आलोक रंजन, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) संजीव कुमार चौधरी, उप निदेशक जनसंपर्क सह प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) प्रदीप कुमार झा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक मौजूद थे। जिलाधिकारी वैभव चौधरी ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष एवं उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने समता मूलक समाज एवं शिक्षित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने हेतु जीवनभर संघर्ष किया। आज सभी वर्गों में शिक्षा के प्रति जागरूकता उन्हीं की प्रेरणा का परिणाम है।

सम्मान समारोह आयोजित

बीएनएम। सहरसा। ब्लॉक रोड कहरा-बटराहा स्थित सक्सेस इंस्टीट्यूट में बाबाj साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं संविधान की प्रस्तावना पाठ से हुई। मुख्य वक्ता पीजी सेंटर सहरसा के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रो डॉ. जैनेंद्र कुमार ने कहा कि टेक्निकल एजुकेशन के युग में अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक है। बाबा साहेब ने भी तीन भाषाओं—मैथिली, हिंदी और अंग्रेजी—के महत्व पर बल दिया था। उन्होंने बच्चों को 'कागज और कलम' की ताकत को समझने और शिक्षा को जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाने की प्रेरणा दी। संस्थान के संस्थापक आलोक अमर ने कहा कि बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर बनने की दौड़ में अपने इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम में मैट्रिक 2025 के सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें रोशन कुमार (475 अंक, बिहार में 15वां स्थान) और रजनीश कुमार (470 अंक, 20वां स्थान) प्रमुख रहे।कार्यक्रम का संचालन अविनाश शंकर 'बंटी ने किया।

बिहार में महिला सशक्तीकरण की नई पहलः 70,000 जगहों पर होगा 'महिला संवाद'

बीएनएम। पटनाः बिहार सरकार राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाने जा रही है। जल्द ही पूरे प्रदेश में 'महिला संवाद' कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी, जिसके तहत 70,000 से अधिक स्थानों पर महिलाओं को अपनी बात रखने का मंच मिलेगा। इस योजना का उद्देश्य न केवल महिलाओं की समस्याओं को सुनना है, बल्कि उन्हें राज्य के विकास की मुख्यधारा में शामिल करना भी है।लोकप्रिय लोक गायिका मैथिली ठाकुर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जनांदोलन है। इसमें महिलाएं खुलकर अपने सपनों, अपेक्षाओं और परेशानियों को साझा करेंगी।" उन्होंने इसे महिलाओं को नीति निर्माण से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।राज्य के सभी जिलों में यह संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां अलग-अलग सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक पृष्ठभूमियों से आई महिलाएं एक मंच पर अपनी बात रखेंगी। यह पहल महिलाओं को न केवल आत्मविश्वास देगी, बल्कि सरकार को भी जमीनी हकीकत से रूबरू कराएगी।बिहार सरकार की यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जो महिलाओं की भागीदारी को शासन और विकास के केंद्र में लाएगी। उम्मीद की जा रही है कि 'महिला संवाद' के जरिए एक नए बिहार की नींव रखी जाएगी – जहां हर महिला की आवाज सुनी जाएगी और उसे निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाएगा।

लेखन सामग्री का वितरण

बीएनएम। वाल्मीकिनगर । मां सरस्वती कोचिंग क्लासेज के संचालक संतोष रौनीयार के नेतृत्व में अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की शुरुवात वाल्मीकि वसुधा परिवार के संचालक वी डी सिन्हा उर्फ संजू ने ग्रेटर नोएडा से वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा बच्चों को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का जीवन परिचय, उनके द्वारा संविधान निर्माण, बाबा साहेब द्वारा समाज में योगदान, महिलाओं, श्रमिकों, दलितों, समाज में फैले असमानता से संबंधित उनके सामाजिक योगदान के विषय में बच्चों को बताया।इस अवसर पर वाल्मीकि वसुधा परिवार द्वारा लेखन पुस्तिका और लेखन सामग्री सभी बच्चों को उपलब्ध कराया गया। जिसे स्थानीय व्यवसायी अभिषेक , पंकज कुमार और कोचिंग संचालक संतोष रौनीयार ने सभी बच्चों में वितरित करते हुए बाबा भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा दिखाए और सुझाए गए रास्तों पर चलने के लिए बच्चों को उत्साहित किया।इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

भारत रत्न बाबासाहेब की मनाई गई जयंती

बीएनएम। बेतिया। दलित, शोषित, वंचित, के मसीहा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती भाजपा संगठन के द्वारा बनाई गई।उक्त कार्यक्रम बेतिया नगर पूर्वी मंडल के अध्यक्ष आशीष गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। वही भाजपा जिला अध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव ने डॉ आंबेडकर के जीवनी के बारे में जानकारी दी। वे भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ लेखक और समाज सुधारक थे। स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। उक्त कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष दीपेन्द्र सराफ जिला उपाध्यक्ष रवि सिंह नगर निकाय के क्षेत्रिय प्रभारी राहुल कुमार महादलित प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कृष्ण मुरारी, विजय राऊत, मिडिया प्रभारी मुकेश सहाय उर्फ गाँधीबाबा, राधेश्याम पटेल, सुरज कुमार राउत, निरज कुमार, विनोद सोनी, राज कुमार आदि बहुत से कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विकास शिविर को सफल बनाने को लेकर बनी रणनीति

बीएनएम। जमुई [झाझा] । 19 अप्रैल को होने वाले अनुसूचित जाति/ जनजाति विकास शिविर को सफल बनाने को लेकर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीडीओ सुनील कुमार के दिशा निर्देश पर सरकारी अस्पताल में कार्यरत एएनएम, आशा फैसिलिलेटर, आशाकर्मी, ममता की बैठक की गई। जिसमें अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अरुण कुमार सिंह, अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार, बीईओ महेंद्र प्रसाद सिंह सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में 19- 28 अप्रैल तक सूक्ष्म कार्ययोजना के अनुसार अनुसूचित जाति/ जनजाति विकास शिविर को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की।

बिना थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराए वाहन चला रहे हैं तो ऑटोमेटिक कट जाएगा ई चालान

पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और बिहारशरीफ में बिना थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराए वाहन चलाने वालों का ऑटोमेटिक कटेगा चालान

बीएनएम। पटना

बिना थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराए वाहन चला रहे हैं तो सावधान हो जाएं। अब राज्य के स्मार्ट सिटी वाले शहरों- पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और बिहारशरीफ में बिना थर्ड पार्टी इन्सुरेंस कराए वाहन चलाने वालों का ए.एन.पी.आर. कैमरा के माध्यम से ऑटोमेटिक चालान कटेगा। यह चालान एक दिन में एक ही बार कटेगा। निर्गत ई चालान की राशि जमा करने के लिए विभाग द्वारा एक दिन का अनुग्रह अवधि (ग्रेस पीरियड) दिया जाएगा। इस अवधि के बाद द्वितीय एवं उसके बाद उल्लंघन के लिए शमन के रूप में ई चालान निर्गत किया जाएगा।

सभी टोल प्लाजा पर ई डिटेक्शन सिस्टम से काटा जा रहा ऑटोमेटिक चालान

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन वाहनों का बीमा प्रमाण पत्र अपडेट नहीं है, उन वाहनों पर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 196 के तहत शमन के रुप में ई चालान निर्गत करने का प्रावधान है। पूर्व से टोल प्लाजा पर ई डिटेक्शन सिस्टम के माध्यम से बिना थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के वाहनों का ऑटोमेटिक चालान काटा जा रहा है। इसके साथ ही हैंड हेल्ड डिवाइस के माध्यम से चालान निर्गत किया जाता है।

थर्ड पार्टी बीमा कराना है अनिवार्य

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सभी वाहन मालिकों को अपने वाहन का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराना अनिवार्य। थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कराने से न केवल वित्तीय सुरक्षा मिलती है, बल्कि यह एक्सीडेंट होने पर घायल पीड़ितों को भी मदद मिलती है। गाड़ी का इंश्योरेंस नहीं होने पर जुर्माना का प्रावधान है, साथ ही एक्सीडेंट होने पर घायल के इलाज का खर्च और मृत्यु होने की स्थिति में कम से कम 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का प्रावधान है।परिवहन सचिव ने लोगों से अपील की है कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में, यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने वाहन का इंश्योरेंस कराएं और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

थर्ड पार्टी बीमा के लाभ

- **वित्तिय सुरक्षाः** तीसरे पक्ष का बीमा दुर्घटना या किसी अन्य की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में बीमाधारक को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है।
- **मुकदमों से सुरक्षाः** यह बीमाधारक को तीसरे पक्ष द्वारा दायर किए गए मुकदमों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- **शांतिः** यह बीमाधारक को दुर्घटना होने पर आश्वस्त करता है कि वे कवर हैं।
- **संपत्ति की सुरक्षाः** यह बीमाधारक की संपत्ति को मुकदमे की स्थिति में जब्त होने से सुरक्षित रखता है।
- **मुआवजा प्राप्त करने में मददः** यह बीमाधारक को हुए नुकसान या नुकसान के लिए मुआवजा प्राप्त करने में मदद करता है।

दिशा की बैठक को सफल बनाने को लेकर अधिकारियों को मिला टास्क

बीएनएम। लखीसराय

लखीसराय में बैठक करते डीएम डीडीसी व अन्य

समहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष सभागार में मंगलवार को जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र और डीडीसी सुमित कुमार की अध्यक्षता में एक अहम समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक 22 अप्रैल को संभावित सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली "दिशा" की बैठक की तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विकासात्मक योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करना और उसकी प्रस्तुति की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करना था। बैठक में जिले के सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। डीडीसी सुमित कुमार ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों के अंतर्गत चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, खर्च की स्थिति, और भविष्य की कार्य योजना की विस्तृत जानकारी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तैयार रखें। यह प्रेजेंटेशन दिशा समिति की बैठक में सांसद महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की गहन समीक्षा की जाएगी। इस समीक्षा बैठक में जिन विभागों की योजनाएं शामिल हैं, उनमें ग्रामीण कार्य विभाग, भवन निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, विद्युत विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, आईसीडीएस, अल्पसंख्यक कल्याण, नगर परिषद, नगर पंचायत, सिंचाई विभाग, जीविका, सामाजिक सुरक्षा, स्वच्छता मिशन सहित अन्य प्रमुख विभाग शामिल हैं।डीडीसी ने कहा कि दिशा समिति की बैठक विकास योजनाओं की समीक्षा का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है, जहाँ सांसद की अध्यक्षता में योजनाओं की पारदर्शिता, गति और गुणवत्ता को परखा जाता है। उन्होंने कहा कि विभागीय लापरवाही या अधूरी जानकारी के लिए जवाबदेही भी तय की जाएगी, इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता से तैयारी करें।सांसद ललन सिंह की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक केंद्र सरकार की उन योजनाओं की समीक्षा के लिए होती है, जो आम जनता के हित में चलाई जा रही हैं और जिनके क्रियान्वयन में जिलों की अहम भूमिका होती है। इसके तहत यह भी देखा जाएगा कि किस योजना का कितना लाभ जमीन स्तर तक पहुँच पाया है और कहाँ पर सुधार की आवश्यकता है ।

पांच दिनों बाद कब्र खोदकर निकाला गया शव

बगहा में घटना स्थल पर मौजूद पुलिस

बकरी को लेकर विवाद

बीएनएम। योगापट्टी

थाना क्षेत्र के हरपुरवा कब्रिस्तान से श्रीनगर थाना के पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव को निकाला। आपको बता दे कि मामला 11 अप्रैल का है । मृतक के पोता ताज मियां ने थाना में आवेदन दे कर बताया कि बकरी को लेकर विवाद हुआ था। पीड़ित ने बताया रखई मंगलपुर दियारा में दादा अजीज मियां गेहूं काटने गए थे। गेहूं के खेत में बार-बार सुल्तान मियां की बकरी आ जा रही थी। इस पर दादा ने बकरी को पकड़ ढाठ में ले जाने की बात कर रहे थे। उसके मेरे पास फोन आया कि आपका दादा का तबीयत सीरियस है । गेहूं के खेत में गिरे हुए हैं । जब हम लोगों ने वहां गए तो देखा कि मृत अवस्था में खेत में पड़े हुए हैं। उसके बाद हम लोगों ने शव को लेकर हरपुरवा जगिरहा नया बस्ती लाए और उसे शव को दफना दिया। तभी एक दिन बाद पता चला कि आपके दादा की हत्या कर शव को फेंका गया था। उसके बाद श्रीनगर थाना में आवेदन दिया। मामले के संज्ञान में लेते हुए श्रीनगर थाना के पुलिस ने मंगलवार की दोपहर कब्र खोदकर शव को मजिस्ट्रेट अमितेश कुमार गुप्ता के निगरानी में शव को निकाला गया। श्रीनगर थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि आवेदन के आलोक में पुलिस ने अग्रतर कार्रवाई करते हुए मजिस्ट्रेट के निगरानी में शव को निकाला एवं श्रीनगर थाना के पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया जीएमसीएच भेज दिया । मौके पर श्रीनगर, योगापट्टी ,शनिचरी एवं नवलपुर थाना के पुलिस बल तैनात रही।

राज्य के प्रतिभावान कलाकारों को मिला डिजिटल मंच

मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने बिहार आर्टिस्ट रजिस्ट्रेशन पोर्टल का किया शुभारंभ

- राज्य के सभी कलाकार कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीकरण
- मिलेगी विशिष्ट पहचान

बीएनएम। पटना

बिहार आर्टिस्ट रजिस्ट्रेशन पोर्टल के शुभारंभ मौके पर मंचासीन मंत्री और अन्य

बिहार सरकार ने राज्य के प्रतिभावान कलाकारों को नई पहचान देने के उद्देश्य से डिजिटल युग की तरफ अपना कदम बढ़ा दिया है। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से विकसित 'बिहार आर्टिस्ट रजिस्ट्रेशन पोर्टल' का विमोचन विभागीय मंत्री मोतीलाल प्रसाद ने किया है।इस मौके पर मंत्री ने कहा कि यह पोर्टल बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और कलाकारों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि बिहार की मिट्टी में कला की गहराई है और उसे बड़ा मंच देने की जरूरत है। यह पोर्टल उस दिशा में एक मजबूत पहल है। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल राज्य के हर जिले, प्रखंड और गांव तक फैले कलाकारों को एक साझा मंच प्रदान करेगा। इससे शास्त्रीय नृत्य, गायन, लोकगीत, नाट्य, चित्रकला, मूर्तिकला जैसे विविध क्षेत्रों में काम कर रहे कलाकारों को योजना का लाभ मिल सकेगा।

पोर्टल की खासियत

बिहार आर्टिस्ट रजिस्ट्रेशन पोर्टल (https://artistrregistration-bihar-gov-in) के माध्यम से राज्य के शास्त्रीय, लोक, समकालीन, दृश्य और प्रदर्शन कलाओं से जुड़े कलाकार अब आसानी से ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की प्रक्रिया को बेहद सरल और सहज बनाया गया है। कलाकारों को उनके अपने मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध होगी। हर पंजीकृत कलाकार को एक विशिष्ट पहचान संख्या (यूनिक आईडी) दी जाएगी, जो भविष्य में सरकारी योजनाओं, पुरस्कारों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी के लिए अनिवार्य होगी।इस पोर्टल से कलाकारों की न केवल सही पहचान सुनिश्चित होगी, बल्कि सरकार को यह जानने में भी सुविधा होगी कि कहां और कौन-से क्षेत्र के कलाकार उपलब्ध हैं तथा उन्हें किस प्रकार का सहयोग चाहिए।इस अवसर पर कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार, आर्कियोलॉजी म्यूजियम सह कल्चर की निदेशक रचना पाटिल ,सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की निदेशक रूबी, प्रशासी पदाधिकारी भारतीय नृत्य कला मंदिर, कहकशां साथ ही विभाग के अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद को ज्ञापन दिया गया

बगहा में संसद को ज्ञापन सौंपते लोग

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडल के रामनगर नगर परिषद स्थित नारायणपुर मदरसा अपनी उत्थान व विकास के लिए सरकारी आदेश का बाट जोहता नजर आ रहा है। नारायणापुर मदरसा इस्लामियाँ अरबिया अपने जर्जरता पर आंसू बहा रहा है। छात्र छात्राओं के लिए न तो सुरक्षित भवन है और न शुद्ध पेय जल की व्यवस्था । मदरसा का वर्षो पुराना भवन जर्जर हालत में है, जो कभी भी अप्रिय घटना होने का संकेत दे रहा है। मदरसा कमिटी अध्यक्ष तबरेज आलम व सचिव मोहम्मद इस्लाम ने वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार को ज्ञापन देकर नारायनापुर मदरसा इस्लामियाँ अरबिया के उत्थान और भवन निर्माण के लिए अपील की है। मौके पर मदरसा के मुख्य मौलाना मोहम्मद कादिर, शेख जावेद, मोहम्मद कामरान, शेख अरमान, संजय मिश्रा, दिनेश मुखिया, मनीष पाण्डेय, अजीत गुप्ता, भोला खान समेत सैकड़ों हिन्दू मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित थे।

बैठक में कई मुद्दों पर की गई चर्चा

बीएनएम। शिवहर

पंचायत सचिव की अध्यक्षता एवं वॉटर फॉर पीपल इंडिया के सहयोग से डुमरी प्रखंड के ग्राम पंचायत - नयागांव पश्चिम के पंचायत भवन में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के तहत हितधारकों को मुख्यमंत्री ग्रामीण पेय जल निश्चय योजना को मजबूत करना एवं अनुरक्षक/पंप ऑपरेटर के मानदेय भुगतान, नलजल योजना स्तर पर पुस्तिका संधारण, अवनी एप्प के माध्यम से सभी पांचो प्रकार टास्क इंट्री, एम ग्राम पोर्टल एवं इको डिजिटल ट्रेनिंग पर अभी तक की प्रगति पर चर्चा की गई। इस क्रम में पंचायत के अंतर्गत सभी 13 वार्डो के 19 नलजल योजनाओ पर एक एक अनुरक्षक/पंप पर चर्चा की गई और उनकी समस्याओं को एक कर के लिखित रूप से पंचायत कार्यालय द्वारा लिया गया। पंचायत सचिव चन्देश्वर कुमार ने बताया गया, कि सभी वार्डो के चार महीने का मानदेय भुगतान वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति को स्थान्तरित की जा चुकी है । इस राशि को शीघ्र अनुरक्षक/पंप ऑपरेटर को देने का निर्देश दिया गया। जिला से आये वाटर फॉर पीपल इंडिया के जिला सहयोग विशेषज्ञ आशीष कुमार ने बताया की नयागांव पश्चिम पंचायत में ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के तहत सभी कार्यो का डिजिटल रूप में सम्पादित किया जाना है। इस अन्तर्गत अवनी एप्प के माध्यम से नलजल लॉग बूक, वार्ड क्रियान्वयन एवं प्रबंधन समिति बैठक, जल चौपाल की मासिक, एवं जल जाँच, टैंक की सफाई की त्रैमासिक प्रविष्टी एप्प पर करनी है साथ ही एम ग्राम डिजिटल एप्प के माध्यम से नलजल के उपभोक्ता शुल्क का डिमांड सभी उपभोक्ताओ प्रत्येक माह उनके मोबाइल पर उपभोक्ता पंजी के प्रविष्टी केबाद प्रेषित किया जायेगा ताकि उनको भुगतान के लिए अस्मारित किया जा सके साथ ही नलजल योजना स्तर पर सभी आठो प्रकार के पुस्तिका संधारण को अद्यतन करने को कहा एवं इको डिजिटल प्रशिक्षण में नियमित भागीदारी पर जोर दिया। इस बैठक में वाटर फॉर पीपल के जिला सहयोग विशेषज्ञ आशीष कुमार और डुमरी प्रखंड से अमित कुमार, पंचायत सचिव चन्देश्वर कुमार, स्वछता पर्वेक्षक सहित वार्ड के सदस्य, अनुरक्षक/पंप ऑपरेटर ने भाग लिया।

बेहतर भविष्य के लिए बच्चों को नियमित रूप से भेजें स्कूल

बीएनएम। जमुई [झाझा]

जमुई में केक काटकर नामांकन करते शिक्षक

मंगलवार को प्लस टू उच्च विद्यालय, चितोचक के प्रांगण में बच्चों के विशेष प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बी.डी.राम के द्वारा की गई। विद्यालय में ग्रामीण बच्चों का नामांकन होने पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा नए नामांकित बच्चों का तिलक लगाकर और फूल बरसा कर स्वागत किया गया और बच्चों से केक कटवाया गया। अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का अनुरोध किया गया, ताकि बच्चे शिक्षा ग्रहण कर अपना उज्जवल भविष्य बना सके और समाज सेवा ,देश सेवा अच्छी तरह से कर सकें। मौके पर अंजना शर्मा प्रधानाध्यापिका, नागेश्वर तुरी वरीय शिक्षक, उपप्रमुख प्रतिनिधि रवि यादव ,सरपंच प्रतिनिधि अरविंद कुमार राम ने नामांकित बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा का सबसे बड़ा केंद्र है। अभिभावकों को मन मे यह ठान लेना चाहिए कि अपने बच्चों को शिक्षा से वंचित न करे और प्रत्येक दिन विद्यालय भेजे ताकि आपके बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यालय से प्राप्त कर अपने सपनों के मंजिल को पा सकें । मौके पर प्रमोद कुमार सिंह, ज्योति कुमारी, जितेंद्र कुमार यादव ,आयुष राय ,अनिल कुमार, शिवनारायण रावत ,धर्मेंद्र कुमार ,देवेश कुमार, बबीता कुमारी ,अखंड ज्योति कुमारी, मोनिका कुमारी, बबलू कुमार, भोला कुमार ,पवन कुमार, अहमद फैजुल्ला ,देवव्रत कुमार, विश्वनाथ कुमार एवं दर्जनों अभिभावक गण उपस्थित थे।

आप हमारे अपने

नक्सलियों से गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आप हमारे अपने हैं। हथियार डाल कर मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह में शाह ने कहा कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात भी उन्होंने की। शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। इन्हें मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता है जो माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं। सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी जड़ें फैली हुई हैं। बिहार के विभिन्न जिलों को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बावजूद अभी भी दस जिलों में इनका प्रभाव है। सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरियात की मांग को लेकर ये उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं। पिछले दिनों नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने पर्चा जारी करके सरकार से युद्धविराम की मांग की। नक्सल प्रभावित इलाकों के नौजवान अब बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में अपना वक्त लगाना बेहतर मान रहे हैं। जान बचाने के लिए घने जंगलों में भटकने या सुरक्षा बलों का निशाना बनने को वे राजी नहीं हो रहे। गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग लेकर हथियारबंद लड़ाकों को लगातार रिहाइशी इलाकों की तरफ जाने से रोका जा रहा है। दशकों से चले आ रहे इस सशस्त्र वामपंथी आंदोलन को नेस्तनाबूद करने को दृढ़संकल्पित केंद्र सरकार सफल होती दिख रही है। हालांकि ग्रामीण और बीहड़ इलाकों तक विकास, सड़कें, विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही रोजगार के साधनों की ठोस व्यवस्था ही नौजवानों को मतिभ्रम से दूर रख सकती है।

प्राइवेट सिस्टम का खेलः आम आदमी की जेब पर हमला

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं। ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग...सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गयाहै। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग पर है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत। यह एक चेतावनी है कि यदि जनता ने अब भी आवाज़ नहीं उठाई तो शिक्षा और स्वास्थ्य सिर्फ विशेषाधिकार बनकर रह जाएंगे। भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले ले तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। शिक्षा या व्यापार?प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस आदि। हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी 'अधिकृत वेंडर' से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाज़ार दर से दोगुना होता है, क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे 'अनिवार्य' बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है। दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क और फिर ट्यूशन। ऐसे में बच्चे के लिए खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है – '99% लाओ'। जब ये नंबर नहीं आते तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है। स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का कामअब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा 'कमाई' पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही 'पर्ची' कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, आईसीयू और 'एडवांस पेमेंट' की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज़ की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं, मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज़ ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मोर्चरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। सरकार की चुप्पी – क्यों?इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। आखिर ऐसा क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल – ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में। मध्यम वर्ग की त्रासदीगरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएँ बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है और फिर उसी जाल में फँस जाता है। एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर ईएमआई देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है। बस यही सोचता है "और कोई रास्ता भी तो नहीं है। समाधान की संभावनाएँअगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता, स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा। शिक्षा और स्वास्थ्य कोई 'सेवा' नहीं रह गई है। यह अब एक 'सर्विस' है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं माँगेंगे। तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेगा। हमें यह भी समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति और अपने भविष्य की स्थिरता दाँव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का, वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7402

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7401 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

कांग्रेस को 10 में से 10 नंबर दिए जा सकते हैं

अजीत द्विवेदी

अगर कोशिशों के लिए नंबर देना हो तो कांग्रेस को 10 में से 10 नंबर दिए जा सकते हैं। कुछ समय पहले तक वह कोशिश भी नहीं कर रही थी। लेकिन अब पार्टी संगठन को बदलने और उसमें जोश भरने की गंभीर कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेतृत्व के बारे में धारणा बदलने की कोशिश हो रही है। पार्टी को नए समय की चुनौतियों और राजनीतिक मुद्दों के मुताबिक ढालने की कोशिश भी चल रही है। पुरानी विरासत को हासिल करने का प्रयास भी हो रहा है और सबसे ऊपर कांग्रेस का स्वंतत्र अस्तित्व स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। कामयाबी की संभावना अभी नहीं दिख रही है लेकिन व्यक्ति के जीवन की तरह ही राजनीति में भी कई बार बहुत नजदीक की चीजें नहीं दिखाई देती हैं। इसलिए कांग्रेस की कोशिशों का क्या हासिल होगा उसके बारे में समय बताएगा। यह कहना बहुत आसान है कि कांग्रेस लड़ना या जीतना भूल गई है या कांग्रेस की मारक क्षमता कम हो गई या नरेंद्र मोदी से मुकाबले के लिए उसके पास कोई नेतृत्व नहीं है या कांग्रेस के अखिल भारतीय संगठन का ढांचा चरमराया हुआ है। हकीकत यह है कि इसके बावजूद कांग्रेस लड़ रही है, लगातार पराजय और विपरीत परिस्थितियों के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व मैदान में टिका है और सब कुछ ठीक करने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस व राहुल की असफलताओं पर विचार करने से पहले यह ध्यान रखना चाहिए कि उसका प्रतिद्वंद्वी कितना शक्तिशाली है और और वह क्या क्या कर सकता है! सो, गुजरात के अहमदाबाद में मंगलवार, आठ अप्रैल से होने जा रहे दो दिन के कांग्रेस अधिवेशन के बहाने कांग्रेस की कोशिशों पर चर्चा करने की जरुरत है। कांग्रेस सबसे पहले तो अपनी विरासत को हासिल करने का प्रयास कर रही है। असल में 2014 में कांग्रेस जितनी बुरी तरह से हारी वह उसके लिए बहुत बड़ा झटका था। हारना कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं थी लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि पार्टी 44 सीट पर सिमट जाएगी। इतनी बुरी तरह से हारने की वजह से उसको संभलने में इतना समय लगा है। इस अवधि में वह पूरी तरह से सदमे में रही। कोई नया आइडिया तो पार्टी के पास नहीं ही था वह पुरानी विरासत भी भूल गई और भाजपा ने इसका फायदा उठाया। उसने कांग्रेस के महापुरुषों को अपना बना कर कांग्रेस की साख बिगाड़ी। प्रधानमंत्री के दावेदार के तौर पर चुनाव लड़ रहे नरेंद्र मोदी ने मदन मोहन मालवीय के परिजनों को अपना प्रस्तावक बनाया। उसने पंडित मदन मोहन मालवीय से लेकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लालबहादुर शास्त्री और यहां तक कि महात्मा गांधी को भी अपना बताना और बनाना शुरू कर दिया। वास्तविकता यह है कि इनमें से लगभग सभी लोग भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन और आरएसएस दोनों के विचारों के घनघोर विरोधी रहे हैं। अब जाकर कांग्रेस संभली है तो उसने अपनी विरासत हासिल करने का प्रयास शुरू किया है। कांग्रेस अपने दो दिन के अधिवेशन के पहले दिन आठ अप्रैल को अहमदाबाद के शाहीबाग में स्थित सरदार पटेल मेमोरियल में कार्य समिति की बैठक करेगी। दूसरे दिन नौ अप्रैल को साबरमती के किनारे कांग्रेस अधिवेशन का मुख्य कार्यक्रम होगा। कांग्रेस 61 साल के बाद गुजरात में अधिवेशन कर रही है और यह संयोग नहीं है कि इस साल सरदार पटेल की डेढ़ सौवीं जयंती मनाई जा रही है। सरदार की डेढ़ सौवीं जयंती पर कांग्रेस ने गुजरात में अधिवेशन का फैसला किया तो इसका कहीं न कहीं यह अर्थ है कि वह सरदार पटेल की विरासत को वापस हासिल करना चाहती है। कांग्रेस के बाद के नेताओं ने खास कर माधव सिंह सोलंकी ने कांग्रेस को खाम (केएचएएम) यानी क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी, मुस्लिम की राजनीति में समेटा था। इसका कुछ लाभ तो पार्टी को मिला लेकिन उसके बाद जब हार का सिलसिला शुरू हुआ तो यह समीकरण काम नहीं आया। अब कांग्रेस इस समीकरण से बाहर निकल कर आजादी के बाद के सबको साथ लेकर चलने के समीकरण पर काम कर रही है। विरासत वापस हासिल करने की कोशिश कांग्रेस ने पिछले साल दिसंबर के अंत में बेलगावी अधिवेशन से शुरू की। महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी पूरी होने पर बेलगावी में कांग्रेस ने अधिवेशन किया। गौरतलब है कि महात्मा गांधी 1924 में बेलगावी में ही कांग्रेस अध्यक्ष बने थे और सिर्फ एक साल ही अध्यक्ष रहे थे। उस ऐतिहासिक घटना को कांग्रेस ने बड़े ऐहतराम के साथ याद किया। गठबंधन की राजनीति का दौर शुरू होने के बाद कांग्रेस स्वतंत्र राजनीति का रास्ता भूलती गई है। जहां वह सत्ता से बाहर हुई वहां उसके नेताओं ने किसी प्रादेशिक पार्टी का कंधा पकड़ लिया और उस पर सवार हो गई।

मेष राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज महत्वपूर्ण काम पूरा होने के योग हैं। आज आपको अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन मिलेगा। इसका सकारात्मक असर आपके व्यक्तित्व पर पड़ेगा। आज किसी दोस्त या रिश्तेदार से चल रही गलतफहमी दूर होगी। स्टूडेंट को करियर संबंधित मेहनत के अच्छे नतीजे मिलेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका छुपा टैलेंट लोगों को पता चलेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बीतने से मानसिक सुकून मिलेगा। व्यापार में आज आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का साथ मिलेगा। आज घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। लवमेट के साथ कहीं घूमने जाएंगे। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज बिजनेस में काम करने के तरीकों में बदलाव संबंधी नीतियों पर गंभीरता से विचार करेंगे। नई कार्य प्रणाली संबंधी योजनाएं सफल रहेंगी। नौकरी में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी। प्रमोशन की खबर मिलने के योग हैं। आज आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज अधूरे कामों पर ज्यादा ध्यान देंगे। कार्यक्षेत्र में बदलाव करने की सोच रहे हैं तो वास्तु के नियमों का ध्यान रखेंगे। आज ऑफिस में अपना कार्य समय पर निपटा लेंगे। आज जीवनसाथी और परिवार वालों में आपसी तालमेल रहेगा। आज आप किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जाएगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था को और बेहतर बनाने की जरूरत है। इससे काम करने के तरीकों में सुधार होगा। हर काम अपनी देखरेख में ही करवाएं। ऑफिस में कुछ लोग आपकी उन्नति से जलन की भावना रख सकते हैं। आज मन मुताबिक तरीके से सभी काम निपटाते जाएंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज किसी भी फोन कॉल को नजरअंदाज न करें, आपको विशेष सूचना मिल सकती हैं। करीबी इंसान की मदद करके आपको खुशी मिलेगी। घर की व्यवस्था को उचित बनाने में आपकी कोशिश कामयाब रहेगी। आज परिवार के साथ किसी उत्सव में जाने का मौका मिलेगा। आज ऑफिस में टीम वर्क से बेहतर नतीजे मिलेंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज अपनी योजनाओं को व्यवस्थित करेंगे। दूसरों की बजाय अपनी खूबियों पर भरोसा रखेंगे, आपको फायदा मिलेगा। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक रिश्ते मजबूत होंगे। परिवार के साथ मनोरंजन और घूमने में कुछ समय बीतेगा। आज आपको अपनी इच्छा शक्ति के साथ अपनी भावनाओं में भी सुधार लाने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज बिजनेस के काम करने के तरीके का जिक्र दूसरे से न करें। नौकरी या बिजनेस में महत्वपूर्ण फैसला आज न लें। स्टूडेंट्स को किसी प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

धनु राशि : आज आप महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज बातचीत करते समय ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। आज बीती हुई पुरानी बातों को खुद पर हावी न होने दे। ध्यान और मेडिटेशन से आप मानसिक तौर पर स्वस्थ रहेंगे। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज मीडिया, मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है। नौकरी कर रहे लोग अपने काम पर ज्यादा ध्यान देंगे। आज स्वभाव में लचीलापन लाएं। आपकी जिद्द से पारिवारिक समस्या बढ़ेगी। छात्र अपनी तैयारी जम कर करें, जल्द अच्छे अंक हासिल होंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आपके काम समय मुताबिक पूरे होते जाएंगे। पूरे आत्मविश्वास से कोशिश करते रहें। वाहन खरीदने की योजना है तो दिन शुभ है। व्यस्तता के बावजूद रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ समय बीतेगा। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने आत्मविश्वास और आत्म सम्मान को कम न होने दें।

मीन राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा। आज ऑनलाइन बड़ा ऑर्डर मिलेगा। आज कहीं रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। गलतियों से सीख लेकर अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे।

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। इसके मानवीय चेहरे– विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई "जेंडर न्यूट्रल" आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू जिम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है– कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही सीमित हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य समस्याएं बनती जा रही हैं, इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है। भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच– ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं– जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है– जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज़्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात 'अम्फान' के दौरान सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है–जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट ज़रूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है लेकिन ज़रूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए अत्यावश्यक है– खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों– जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा। ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं– वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चेन्नई ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया:धोनी ने 11 गेंद पर 26 रन बनाए

लखनऊ। आईपीएल टी 20 टूर्नामेंट में आखिरकार धोनी की तेज पारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 5 विकेट से हरा दिया। सोमवार को इकाना स्टेडियम में चेन्नई ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने 7 विकेट खोकर 166 रन बनाए। चेन्नई ने 19.3 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। चेन्नई के कप्तान एमएस धोनी ने 11 गेंद पर 26 रन बनाए। शिवम दुबे ने 43, रचिन रवींद्र ने 37 और शेख रशीद 27 रन बनाए। रवींद्र जडेजा और मथीश पथिराना ने 2-2 विकेट लिए। लखनऊ से ऋषभ पंत ने फिफ्टी लगाई। रवि बिश्नोई ने 2 विकेट लिए। चेन्नई ने पांचवें ओवर में पहला विकेट गंवाया। आवेश खान ने ओवर की पांचवीं बॉल पर शेख रशीद को निकोलस पूरन के हाथों कैच कराया। रशीद ने 19 गेंद पर 27 रन बनाए। चेन्नई ने 8वें ओवर में दूसरा विकेट गंवाया। ओवर की आखिरी बॉल पर ऐडन मार्करम ने रचिन रवींद्र को पगबाधा आउट किया। रचिन ने 37 रन बनाए। चेन्नई ने 13वें ओवर में चौथा विकेट गंवाया। रवि बिश्नोई ने ओवर की दूसरी गेंद पर रवींद्र जडेजा को कैच कराया। जडेजा 11 गेंद पर 7 ही रन बना सके। चेन्नई ने 9वें ओवर में तीसरा विकेट भी गंवा दिया। रवि बिश्नोई ने ओवर की पांचवीं बॉल पर राहुल त्रिपाठी को पवेलियन भेजा। बिश्नोई ने अपनी ही बॉलिंग पर त्रिपाठी का कैच पकड़ा। त्रिपाठी 10 गेंद पर 9 ही रन बना सके। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ सुपरजायंट्स ने 20 ओवर में 166 रन बनाए। टीम ने 7 विकेट भी गंवा दिया। मथीश पथिराना और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कम्बोज और खलील अहमद को 1-1 विकेट मिला। एक बैटर रन आउट भी हुआ। ऋषभ पंत 20वें ओवर में आउट हुए। उन्हें ओवर की दूसरी गेंद पर मथीश पथिराना ने कैच कराया। पंत ने 49 गेंद पर 63 रन की पारी खेली। लकनऊ ने 20वें ओवर में पांचवां विकेट गंवाया। एमएस धोनी के डायरेक्ट हिट से अब्दुल समद रन आउट हुए। समद ने 20 रन बनाए। आयुष बडोनी 2 जीवनदान मिलने के बाद 14वें ओवर में आउट हो गए। उन्हें ओवर की चौथी गेंद पर रवींद्र जडेजा ने स्टंपिंग कराया। बडोनी ने 17 गेंद पर 22 रन बनाए।

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों -शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहै हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं।" इस मैच में ऋषभ ने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी पर उनका मानना है कि टीम ने 10-15 रन कम बनाए थे जिससे नुकसान हुआ। लखनऊ के कप्तान ने कहा, "हमने 10 से 15 रन कम बनाये जबकि हमें साझेदारी बनाये रखनी थी। अगर हम 10 से 15 रन बनाने तो हालात अलग होते। मैं हर मैच के साथ बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन कभी-कभी यह काम नहीं आता।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरुआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी है। धोनी ने मैच के बाद कहा, "अगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालत में हम गेंद से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरुआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेल विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकते" उन्होंने आगे कहा, " तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में, हम बेहतर कर सकते हैं। अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, और आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो पारी के अंत तक खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं। मुझे लगता है कि शेख रशीद ने आज अच्छी बल्लेबाजी की।

मुझे आईपीएल में पुराने अनुभवों का लाभ मिला : करुण नायर

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में शानदार पारी खेलकर वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा है कि उन्हें अपने पुराने अनुभवों का लाभ मिला। इसलिए उन्हें सत्र के पहले मैच में कोई परेशानी नहीं आई। इसका कारण है कि वह मानसिक रुप से खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । करुण तीन साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ऐसे उनके प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी। करुण ने 2022 में अंतिम बार आईपीएल खेला था। उसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला था हालांकि घरेलू क्रिकेट में इस बची उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वापसी के अपने पहले ही मैच में करण ने अपनी 89 रनों की पारी से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसो गेंदबाज पर भी जमकर शॉट लगाये। एक ओवर में बुमराह पर दो छक्के लगाने की क्षमा सभी में नहीं होती पर करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। इस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। करूण ने कहा, 'मुझे आईपीएल में पहले खेलने का लाभ मिला। इससे मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ भी नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं अपने से यही कह रहा था कि समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ। पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें भारोसा था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। उनका करियर भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। भारतीय टीम इंडिया से बाहर होने के बाद न उन्हें आईपीएल में मौका मिला और न ही घरेलू टीम कर्नाटक ने शामिल किया था। कर्नाटक टीम से बाहर होने के बाद करुण ने विदर्भ से रणजी और विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया।

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है। गावस्कर ने कहा,''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।'' गावस्कर ने कहा, '' कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। '' साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे। इससे भी टीम के आक्रामक इरादों का अंदाज होता है। '' वहीं गावस्कर ने कहा कि खराब फार्म से जूझ रहे मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अपने शॉट चयन पर ध्यान दें। उन्होंने कहा,''जब वह पावर प्ले में आउट हो जाता है, तो दुख होता है। फिर चाहे वह मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहा हो या भारत के लिए। ''

श्रेयस बने आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। श्रेयस ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रविंद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में आक्रामकम बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में सबसे अधिक 243 रन बनाये थे और भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अय्यर ने ये प्ररस्कार मिलने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, मैं मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयनित किये जाने पर सम्मानित अनुभव कर रहा हूं। यह इसलिए विशेष है क्योंकि तभी हमने चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ये एक ऐसा पल जिसे हमेशा संजोकर रखना होगा। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 79 गेंद पर ही 98 रन बनाये थे। इसी तरह उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 गेंदों में 62 रन बनाये थे। फाइनल में भी अय्यर खासे सफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच में अय्यर ने 48 गेंदों पर 62 रन बनाए थे। इससे पहले फरवरी माह के लिए भारत के ही शुभमन को सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का इनाम मिला था। इस प्रकार लगातार दो महीनों से भारतीय टीम के खिलाड़ियों को ही आईसीसी पुरस्कर मिला है।

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन तूफानी तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई जबरदस्त छलांग

नई दिल्ली। टैरिफ वॉर में राहत मिलने और मजबूत वैश्विक संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे कारोबार दिन तूफानी तेजी बनी रही। आज के कारोबार की शुरुआत 2 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ हुई। बाजार खुलने के बाद शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली भी हुई लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार पर तेजड़ियों का कब्जा बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.10 प्रतिशत और निफ्टी 2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। खरीदारी के सपोर्ट से रियल्टी इंडेक्स 5 प्रतिशत की बढ़त लेकर बंद होने में सफल रहा। इसी तरह मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स में भी 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा एनर्जी, आईटी, ऑयल एंड गैस, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.21 प्रतिशत उछलकर आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 412.29 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 401.55 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 10.74 करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,256 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,305 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 782 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,596 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,315 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 281 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और सिर्फ 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 48 शेयर हरे निशान में और सिर्फ 2 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,694.80 अंक की छलांग लगाकर 76,852.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 400 अंक से थोड़ा अधिक फिसल कर 76,435.07 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदार पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 1,750.37 अंक उछल कर 76,907.63 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में दो फीसदी बढ़ी : सियाम

नई दिल्ली। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 43 लाख इकाइयों के पार पहुंच गई। यात्री वाहनों की कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 फीसदी रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 60 फीसदी थी।। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42,18,750 इकाई रही थी। उद्योग निकाय सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 27,97,229 इकाई पर पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 25,20,691 इकाई थी। इसकी तुलना में यात्री कारों की बिक्री में 13 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की 15,48,947 इकाई से घटकर 13,53,287 इकाई रह गई। सियाम ने कहा कि यात्री वाहन खंड ने भी वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक का सबसे अधिक 7.7 लाख इकाई का निर्यात दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में यह 15 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। निर्यात में वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही। उद्योग निकाय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी बढ़कर 1,96,07,332 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,79,74,365 इकाई थी। सियाम ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में कुल वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री एक फीसदी फीसदी घटकर 9,56,671 इकाई रह गई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 9,68,770 इकाई थी। हालांकि, इसी दौरान तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 6,94,801 इकाइयों की तुलना में सात फीसदी बढ़कर 7,41,420 इकाई पर पहुंच गई। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ''भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना स्थिर प्रदर्शन जारी रखा, जो अच्छी मांग, बुनियादी ढांचे में निवेश, सहायक सरकारी नीतियों और टिकाऊ परिवहन पर निरंतर जोर से प्रेरित रहा।'' चंद्रा ने बताया कि अफ्रीका और पड़ोसी देशों जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात मांग जारी रहने की संभावना है, क्योंकि 'मेड इन इंडिया' वाहनों का चलन बढ़ रहा है।

बीवायडी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बीवायडी कंपनी ने 2025 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। वैश्विक स्तर पर कंपनी ने मार्च में 377,420 वाहन बेचे, जिससे क्यू 1 2025 में कुल बिक्री 990,711 यूनिट्स तक पहुंच गई। यह आंकड़ा क्यू 1 2024 के 624,398 यूनिट्स की तुलना में 58.7प्रतिशत अधिक है। मार्च में बेचे गए वाहनों में 371,419 पैसेंजर कारें शामिल थीं, जो फरवरी 2025 से 15प्रतिशत और पिछले साल की तुलना में 23.1प्रतिशत अधिक है। वहीं कंपनी का उत्पादन भी इसी अवधि में 395,091 यूनिट्स तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत अधिक है। बीवायडी ने अप्रैल 2022 में आईसीई यानी इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों का उत्पादन बंद कर दिया था और अब केवल बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) और पीएचईवी (प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल) बेचती है। क्यू 1 2025 में कंपनी ने 416,388 बीईवी यूनिट्स बेचीं, जो क्यू1 2024 की 300,114 यूनिट्स से 39प्रतिशत अधिक है। हालांकि, बीईवी की कुल बिक्री हिस्सेदारी 42.2प्रतिशत रही, जो पिछले साल की पहली तिमाही में 48.1प्रतिशत थी। वहीं, पीएचईवी की बिक्री में जोरदार बढ़त देखी गई, जो क्यू 1 2025 में 569,710 यूनिट्स रही। यह क्यू 1 2024 के 324,284 यूनिट्स से 76 प्रतिशत अधिक है, और इनका कुल बिक्री में हिस्सा 57.8प्रतिशत रहा। बीवायडी ने साल 2023 में 3 मिलियन वाहन बेचे थे और 2024 में यह आंकड़ा 4.3 मिलियन तक पहुंचा। अब कंपनी को उम्मीद है कि 2025 में यह संख्या 5.5 मिलियन और 2026 में 6.5 मिलियन तक पहुंच जाएगी। मार्च 2025 तक बीवायडी की कुल इलेक्ट्रिक व्हीकल बिक्री 11.6 मिलियन यूनिट्स को पार कर गई है। मार्च 2025 में कंपनी ने 72,723 यूनिट्स का निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 90प्रतिशत और फरवरी से 8.5प्रतिशत अधिक है। यह बीवायडी के इतिहास में सबसे अधिक मासिक निर्यात रहा। क्यू 1 2025 में कुल निर्यात 206,084 यूनिट्स रहा, जो साल-दर-साल 110.5प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी के लुढ़के भाव

नई दिल्ली। देश के सराफा बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमत में बड़ा बदलाव हुआ है। एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में तेजी जारी है जबकि चांदी खरीदने वालों को थोड़ी राहत मिली है। सोने का भाव 93,343 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। चांदी 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 94,760 रुपए प्रति किग्रा पर है। गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने सोने की कीमत को लेकर नया अनुमान जारी किया है। इस साल सोना इंटरनेशनल मार्केट में 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.30 लाख रुपए तक जा सकते हैं। हालांकि ऐसा तभी होगा जब ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क बहुत ज्यादा बढ़ जाए। अगर ट्रेड वॉर और मंदी का रिस्क एक्स्ट्रीम लेवल पर नहीं पहुंचता है, तब भी सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है।

वनप्लस 13टी जल्द ही बाजार में होगा लॉन्च

नई दिल्ली। महंगे स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली कंपनी वन प्लस अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को जल्द ही लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में फोन का एक हैंड्स-ऑन वीडियो सामने आया है। यह वीडियो चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर शेयर किया गया था, जिसे टिपस्टर अभिषेक यादव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया है। लीक वीडियो में फोन की रियर और साइड डिजाइन की हल्की झलक मिलती है, हालांकि पूरा डिजाइन साफ तौर पर नहीं दिखता। इस फोन को लेकर बीते कुछ समय से लगातार लीक्स सामने आ रहे हैं, जिनमें इसके संभावित फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस का खुलासा हुआ है। वनप्लस 13टी में 6.3 इंच का फ्लैट ओलेड डिस्प्ले हो सकता है, जो 1.5के रेजॉल्यूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। डिस्प्ले की पीक ब्राइटनेस 1600 निट्स तक होने की संभावना है। प्रोसेसर के तौर पर इसमें क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8 एलीट चिपसेट दिया जा सकता है। इसमें एलपीडीडीआर4एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकती है। वनप्लस 13टी में वायफाय 7, ब्ल्यूटूथ 5.4, एनएफसी, डुयूल स्टीरियो स्पीकर, एक्स-अक्सिस लीनियर मोटर और एक नया एक्शन बटन मिलेगा। यह फोन मेटल फ्रेम के साथ आईपी68/69 रेटिंग और एंड्राएड 15 ओएस पर काम करेगा। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें डुअल रियर कैमरे मिल सकते हैं, जिनमें 50 एमपी का मेन लेंस और 50एमपी का टेलीफोटो सेंसर शामिल होगा। सेल्फी के लिए 32 एमपी का फ्रंट कैमरा मिल सकता है। फोन में 6100 एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

रजत कपूर की हॉरर सीरीज खौफ का ट्रेलर जारी, डर और सस्पेंस से भरपूर कहानी ने उड़ाए फैंस के होश

रजत कपूर, मोनिका पंवार स्टारर अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। नाम की तरह ट्रेलर भी सीरीज के काफी डरावना होने की ओर इशारा करता है जहां मोनिका पंवार के कमरा नंबर 333 में खौफ ही खौफ देखने को मिला है। 2 मिनट 17 सेकंड के ट्रेलर में दिखता है कि मधु आंखों में सपने लेकर नए शहर में रहने के लिए आती है और काफी दिक्कतों के बाद उसे एक हॉस्टल का एक ऐसा कमरा रहने के लिए मिलता है, जो रहस्यों और डर से भरा है। कमरा नंबर 333 में वह ठहरती है। लेकिन वह इस जगह के इतिहास और छिपे हुए रहस्यों से अनजान है। रोंगटे खड़े कर देने वाले ट्रेलर में खौफ की दास्तान दिखाने की निर्माताओं ने भरसक कोशिश की है और वह सफल भी रहे हैं। खौफ में अभिनेत्री मोनिका पंवार मुख्य किरदार 'मधू के रूप में नजर आएंगी। पंवार ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया, मेरी भूमिका दिलचस्प है, जिसे निभाना मेरे लिए भावनाओं से भरे उतार-चढ़ाव के साथ चुनौतीपूर्ण रहा। मैचबॉक्स शॉट्स ने खौफ की डरावनी दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आठ एपिसोड में बनी इस सीरीज में मोनिका पंवार, रजत कपूर के साथ चुम दरांग, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सीरीज का निर्माण करने के साथ ही इसकी कहानी को भी स्मिता सिंह ने ही लिखा है। मैचबॉक्स शॉट्स के बैनर तले बनी सीरीज का निर्देशन पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन ने किया है। निर्देशक पंकज कुमार ने बताया कि यह सीरीज सस्पेंस और हॉरर ड्रामा से कहीं बढ़कर है। उन्होंने बताया, खौफ का निर्देशन करना रचनात्मक रूप से संतुष्टिदायक यात्रा रही है। यह सीरीज एक सस्पेंस हॉरर ड्रामा से कहीं बढ़कर है। मैं न केवल कुछ ऐसा बनाना चाहता था जो लोगों को डराए, बल्कि लंबे समय तक बना रहे। 'खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

दुबई में छम्मक छल्लो गाने पर थिरकीं करीना कपूर:डांस वीडियो वायरल

एक्ट्रेस के मूव्स देख फैंस बोले- जस्ट लुकिंग लाइक वाउ

करीना कपूर का एक डांस वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो में एक्ट्रेस अपनी फिल्म 'रा.वन' के गाने पर थिरकती नजर आ रही हैं। दरअसल, बेबो दुबई में एक इवेंट में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने 'रा.वन' के हिट गाने छम्मक छल्लो पर अपने फेमस डांस स्टेप्स को दोहराया। एक्ट्रेस दुबई में एक जूलरी ब्रांड के कार्यक्रम में पहुंची थी। ग्लैमरस लुक के लिए करीना ने तरुण तहिलियानी की सी ग्रीन साड़ी के साथ कोर्सेट ब्लाउज और एक स्टाइलिश नेकपीस पहना था। एक्ट्रेस के डांस मूव्स पर फैंस प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'क्या कमाल है!वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं।' एक दूसरे यूजर ने लिखा- 'वाह, बेहद खूबसूरत, एलिगेंट, जस्ट लुकिंग लाइक वाऊ।' एक और यूजर ने लिखा- 'क्या ये सिर्फ मुझे लग रहा या वो हर दिन और चिल होते जा रही हैं।'

14 साल बाद गाने पर थिरकती नजर आईं बेबो-करीना कपूर और शाहरुख खान स्टारर सुपरहीरो फिल्म 'रा.वन' साल 2011 में रिलीज हुई थी। फिल्म के गाने छम्मक छल्लो के लिए ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर एकॉन ने कोलैब किया था। इस गाने में करीना का लुक और शाहरुख खान के साथ उनकी केमेस्ट्री ऑडियंस को खूब भाया था। यह ट्रैक अब भी बॉलीवुड के सबसे आईकॉनिक चार्टबस्टर हिट्स में से एक है। ये फिल्म उस वक्त की सबसे महंगी फिल्म थी। इसमें वीएफएक्स के लिए हॉलीवुड से आर्टिस्ट बुलाए गए थे। तमाम कोशिशों के बाद भी फिल्म फ्लॉप रही थी। पिछले कुछ समय से करीना अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से भी सुर्खियों में हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस साल 2024 में 'बकिंघम मर्डर' और 'सिंघम अगेन' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। 'बकिंघम मर्डर' में करीना के काम को काफी सराहा गया। करीना जल्द ही मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' में दिखेंगी। इसमें उनके साथ साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। ये एक क्राइम थ्रिलर मूवी होगी।

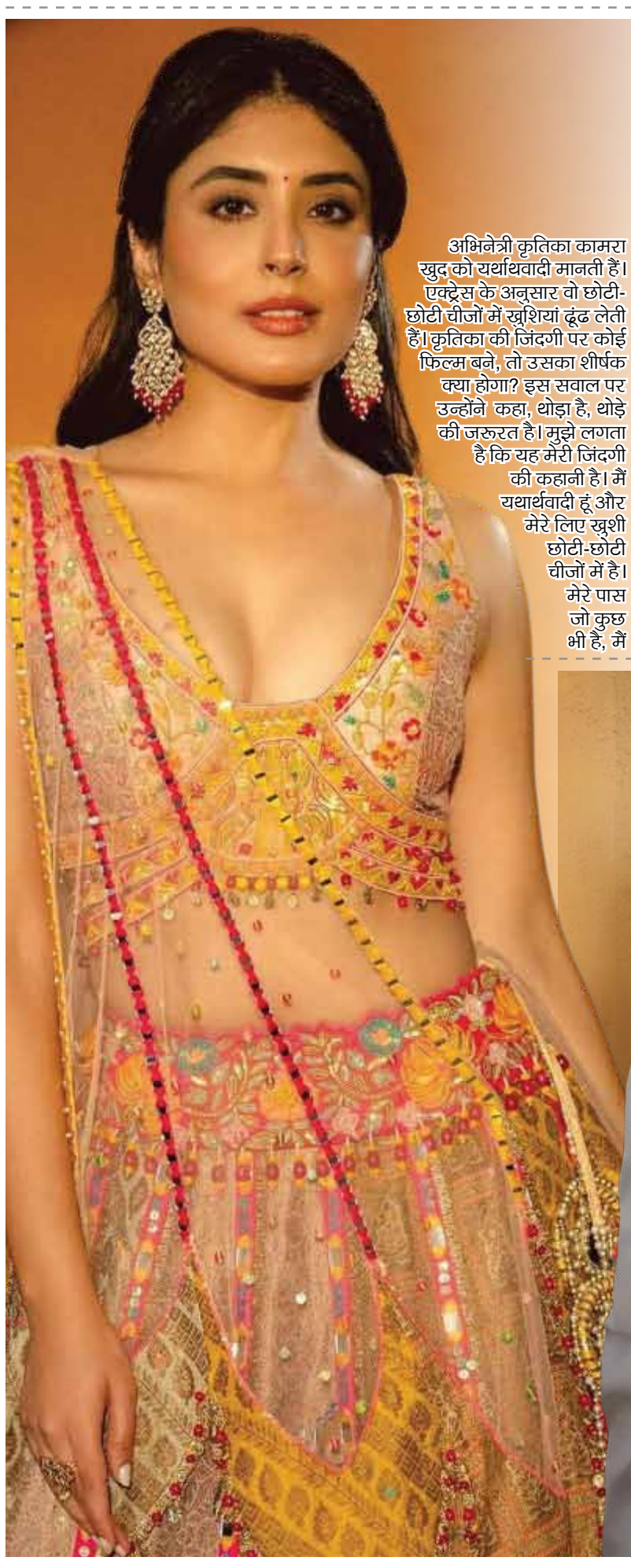

छोटी-छोटी चीजें मायने रखती हैं, इन्हीं में खुशियां तलाश लेती हैं कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा खुद को यथार्थवादी मानती हैं। एक्ट्रेस के अनुसार वो छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढ लेती हैं। कृतिका की जिंदगी पर कोई फिल्म बने, तो उसका शीर्षक क्या होगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, थोड़ा है, थोड़े की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी की कहानी है। मैं यथार्थवादी हूं और मेरे लिए खुशी छोटी-छोटी चीजों में है। मेरे पास जो कुछ भी है, मैं

उसके लिए आभारी हूं। उन्होंने आगे कहा, जीवन एक यात्रा है और अब तक की मेरी यात्रा बहुत दिलचस्प रही है। कृतिका को शो कितनी मोहब्बत है में आरोही शर्मा का किरदार निभाकर सुर्खियां मिलीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्ट्स और प्रेम या पहेली - चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया। इसके अलावा, अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी श्रृंखलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उनके पास एक और प्रोजेक्ट है। वह प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी हैं। इस बारे में बात करते हुए कि उन्हें कौन सा किरदार निभाना मुश्किल लगता है- खुद से बिल्कुल अलग किरदार या फिर खुद से मिलता-जुलता किरदार। इस पर कृतिका ने बताया, एक आदर्श किरदार वह होता है जिसमें ऐसे गुण और भावनाएं हों जिससे आप कनेक्ट कर सकें, लेकिन उस किरदार का जीवन आपसे (एक्टर) बिल्कुल अलग हो। मैं ऐसे किरदारों की तलाश करती हूं जो मुझे ऐसी परिस्थितियों की कल्पना करने के लिए मजबूर करें जिनमें मैं कभी नहीं रही। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी चीजें जो मैंने कभी नहीं की या महसूस नहीं कीं। लेकिन उस स्थिति में होना तभी संभव है जब आपकी उस चरित्र से कुछ समानता हो और सभी अच्छे से लिखे गए पात्रों में यह होता है। बस आपको उसका इतिहास, उससे जुड़ी भावना या उस किरदार के सिद्धांत पर काम करना होता है। बाकी आप अभिनव यात्रा में अनुभव के साथ सीख लेते हैं। अभिनेत्री को हाल ही में ग्यारह ग्यारह सीरीज में देखा गया था, जो कोरियाई नाटक सिग्नल का रूपांतरण है। उनका अगला प्रोजेक्ट मटका किंग है, जिसके निर्माता राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नागराज मंजुले हैं। मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दर्शाता है। इस सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।

अजय देवगन की रेड 2 का पहला गाना नशा जारी, जबरदस्त डांस करती दिखीं तमन्ना भाटिया

काफी समय से अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म रेड 2 को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है। इस फिल्म में अजय की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का ट्रेलर पहले ही सामने आ चुका है, वहीं अब निर्माताओं ने रेड 2 का पहला गाना नशा जारी कर दिया है। गाने में तमन्ना भाटिया जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। नशा गाने को जैस्मिन सैंडलास, सचेत टंडन, दिव्या कुमार और सुमोंथो मुखर्जी ने मिलकर गाया है, वहीं इसके बोल जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रेड 2 साल 2018 में आई फिल्म रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े

आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 153 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

मल्लिका शेरावत ने इंस्टाग्राम पर शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैंस ने की खूबसूरती और फिटनेस की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस दीवाने हो रहे हैं. इन तस्वीरों में मल्लिका का ग्लैमरस अंदाज और उनकी फिटनेस साफ झलक रही है. मल्लिका ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, साहसी, अडिग एवं संभावनाओं से भरपूर , जिससे उनके आत्मविश्वास और पॉजिटिव एनर्जी का अंदाजा लगाया जा सकता है. उनकी इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं. एक फैन ने कमेंट में लिखा, मैं तब जलता हूं जब कोई खुद को आपसे बड़ा फैन बताता है. मेरे लिए सिर्फ एक ही गॉडेस हैं और वह हैं मल्लिका शेरावत . वर्कफ्रंट की बात करें तो मल्लिका शेरावत लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.

Bangladeshi miscreants involved in Bengal Waqf violence: Sources

Agency: An initial probe into the massive violence that rocked West Bengal over the Waqf law has revealed the involvement of Bangladeshi miscreants, the Union Home Ministry was informed, according to sources. The probe also found that the Mamata Banerjee-led government failed to monitor the intruders as unrest gripped Murshidabad district and South 24 Parganas during protests over the Waqf law, killing three people and injuring several others. Among those killed were a father-son duo who were hacked to death by a mob in Samsherganj. Two brothers were arrested on Tuesday for the murder.

West Bengal, which has over 80,480 Waqf properties - second only to Uttar Pradesh's 2.2 lakh, has witnessed widespread protests after the passage of the Waqf law earlier this month. The law, which expands the government's role in regulating Waqf properties, is being seen by a section of the Muslim community as a move to "snatch" their land. The Centre has rejected such claims. Several shops and vehicles were torched and homes of locals were ransacked after protests against the Waqf law turned violent in Suti and Samserganj of Murshidabad district. A large number of locals have also fled these areas since unrest gripped the Muslim-majority district on April 11. Murshidabad, which borders Bangladesh, has a 66% Muslim population, according to the 2011 Census. The unrest spilled over to Bhangar in South 24 Parganas district on Monday when a protest led by the India Secular Front (ISF) against the Waqf law turned violent. Protesters clashed with police and set fire to vehicles after they were stopped from heading to Kolkata. Amid the violence, Bengal Governor CV Ananda Bose sought a detailed report from the Trinamool government. The Calcutta High Court has also stepped in, ordering the deployment of central forces in sensitive areas. Meanwhile, Chief Minister Mamata Banerjee appealed for calm and claimed that the contentious legislation wouldn't be implemented in the state. Police said a total of 210 people have so far been arrested in connection with the violence and the situation in Murshidabad was gradually returning to normal.

Ayodhya Ram Mandir gets threat mail, FIR filed

Agency: The Ram Temple trust has received a bomb threat mail, warning about a security threat to the Ram Temple in Uttar Pradesh's Ayodhya, which was inaugurated in January last year. The warning was received in the mail of Shri Ram Janmabhoomi Teerth Kshetra Trust, the body which manages the Ram Temple, on Monday night. In the threat mail, it was written that the authorities should increase the security of the temple. Police said that an individual from Tamil Nadu wrote the email in English, news agency PTI reported. The threat mail was also received in many other districts, including Barabanki and Chandauli. The Ram Temple trust filed an FIR in Ayodhya in connection with the matter. The cyber cell is probing the issue. Meanwhile, a security wall spanning approximately four kilometres is being erected around the Ram Temple in Ayodhya and is anticipated to be finalised in 18 months, Shri Ram Janmabhoomi Temple Building Construction Committee chairperson Nripendra Misra said on Monday. "Engineers India Limited will construct the security wall for the Ram

Temple. The conclusive resolution regarding the wall's height, thickness and design has been established. Construction will be initiated after soil testing," he said. Misra indicated that the Ram Temple construction was advancing towards completion within six months. Prime Minister Narendra Modi took part in the pran pratishtha (consecration) of Ram Lalla idol (childhood form of Lord Ram) at the Ram Temple on January 22 last year. On the same day, the temple was opened to visitors.

Raid at AAP MLA Mohali house in Rs 48,000 crore Pearl Agro fraud

Agency: The Enforcement Directorate is conducting searches at more than 15 locations, including the residential premises of AAP leader Kulwant Singh in Mohali. The searches are related to the Pearl Agro Corporation Limited (PACL) matter, pertaining to investor fraud involving an amount of Rs 48,000 crore. An FIR has also been registered against associates of the late Nirmal Singh Bhangoo

for illegally disposing of the properties of PACL and associate entities. In this case, ED's multiple teams are conducting raids at 15 locations across Haryana, Punjab, Rajasthan, and Delhi.

Gold reclaims all-time high of Rs 96,450; silver climbs Rs 2,500

Agency: Gold prices rose by Rs 50 to revisit the all-time high of Rs 96,450 per 10 grams in the national capital on Tuesday, according to the All India Sarafa Association. On Monday, the yellow metal of 99.9 per cent purity fell by Rs 50 to settle at Rs 96,400 per 10 grams. Gold of 99.5 per cent purity increased by Rs 50 to reclaim its all-time high level of Rs 96,000 per 10 grams against the previous close of Rs 95,950 per 10 grams. Meanwhile, silver prices climbed by Rs 2,500 to Rs 97,500 per kg on the back of fresh industrial demand. The white metal had declined by Rs 500 to close at Rs 95,000 per kg on Monday. Globally, spot gold appreciated by $13.67 or 0.43 per cent to $3,224.60 per ounce. Also, Comex gold futures for June delivery went up 0.47 per cent to $3,241.50 per ounce. "Gold prices remain steady near all-time highs, buoyed by a weakening dollar and persistent uncertainty surrounding US trade policy," Chintan Mehta, Chief Executive Officer at Abans Financial Services, said. The US Federal Reserve Chair Jerome

Powell's upcoming press conference on Wednesday will be in focus, with investors seeking signals on how the central bank may respond if trade tensions intensify or economic conditions weaken, Mehta added. Spot silver in the Asian market hours fell marginally at $32.32 per ounce.

According to HDFC Securities' senior analyst of commodities Saumil Gandhi, traders are now looking towards US macro data, including the NY Empire State Manufacturing Index to be released later on Tuesday. Further, market participants will also be awaiting speeches from the Federal Open Market Committee (FOMC) member Thomas Barkin and European Central Bank (ECB) president Christine Lagarde for more insights. However, the major focus remains on tariff-related headlines, which could affect bullion prices, Gandhi said.

India-US to hold another round of trade talks in May

Agency: India and the US will hold another round of trade talks in May, while virtual meetings between negotiators will commence this week, a senior official of the Ministry of Commerce said on Tuesday. An Indian team of negotiators led by Additional Secretary Rajesh Aggarwal had met with US counterparts for four days (March 26-29). The meeting had happened in the backdrop of US President Donald Trump threatening reciprocal tariffs on Indian goods entering the US. Trump, on April 3, had paused the tariff imposition for 90 days. The commerce ministry official said the terms of reference for bilateral trade agreement (BTA) negotiations have been agreed upon. The negotiations will start virtually this week, and these virtual discussions are to lead to physical negotiations, perhaps in the second half of May. Meanwhile, Secretary Commerce Sunil Barthwal, while answering questions, said: "With the US, we have chosen a clear path that is of trade liberalization and BTA," adding, "I think if we follow this path, India's trade with the US will grow. There will be more opportunities than concerns." Both countries will aim to increase trade through a BTA, and there will be higher trade in case the BTA materializes. The two sides are discussing a bilateral trade agreement and plan to implement the first tranche of the agreement by September-October this year. Officials said the BTA is to be finalized by September-October, but it does not mean that it cannot be done before that.

CM Himanta declares Assamese compulsory official language for govt works

Agency: Assamese to be compulsory official language for all government notifications, orders, acts and other such works in Assam, declared chief minister Himanta Biswa Sarma on Tuesday. The chief minister said in the BTR and Barak Valley district, Bengali and Bodo languages shall be used respectively. "The English language shall continue to be used for communication with the government of India, central government offices and other state governments establishments," the notification by the Assam government read. The government said that for "interpretation of the provisions contained in any rules, acts, regulations, office order, court orders or judgements, the English version shall prevail". According to the 2011 Census of India, Assamese is the most widely spoken language in Assam, with approximately 15.1 million people - around 48.38% of the state's population - reporting it as their mother tongue. Bengali follows as the second most spoken language, with about 9.02 million speakers, constituting nearly 29.9% of the population.

Bodo, recognised as an official language in parts of Assam, is spoken by approximately 1.48 million people, making up around 4.5% of the state's population. These figures highlight Assam's rich linguistic diversity, shaped by its unique cultural and ethnic landscape. Last year, the Union

cabinet on October 3 sanctioned conferring classical language status to the Assamese, Marathi, Pali, Prakrit, and Bengali languages. The state cabinet on October 8 endorsed a resolution to celebrate the status granted to the language and express gratitude to Prime Minister Narendra Modi for "the significant gesture towards Assam's cultural and language heritage".

Retail inflation dips marginally to nearly 6-year low of 3.34% in March

Agency: Retail inflation dipped marginally to a nearly six-year low of 3.34 per cent in March due to a decline in prices of vegetables and protein-rich items. The Consumer Price Index (CPI)-based inflation was 3.61 per cent in February and 4.85 per cent in March last year. The inflation rate in March 2025 is the lowest since August 2019, when it was 3.28 per cent. Food inflation in March was 2.69 per cent compared to 3.75 per cent in February and 8.52 per cent in March 2024. Last week, the Reserve Bank reduced the key short-term lending rate (repo) by 25 bps in the wake of easing inflation. The Reserve Bank has projected CPI inflation for the current fiscal 2025-26 at 4 per cent, with Q1 at 3.6 per cent, Q2 at 3.9 per cent, Q3 at 3.8 per cent, and Q4 at 4.4 per cent.

The risks are evenly balanced. Meanwhile, wholesale price inflation declined to a six-month low of 2.05 per cent in March as prices of vegetables, potato and other food items eased, government data showed on Tuesday. Wholesale price index (WPI)-based inflation was 2.38 per cent in February. It was 0.26 per cent in March last year.

Palak Tiwari on debut with Salman Khan: Wouldn't have done it any other way

Agency: Palak Tiwari isn't new to the spotlight, but her journey in films is just beginning. In a candid conversation with India Today, the young actor opened up about her much-talked-about debut with Salman Khan in 'Kisi Ka Bhai Kisi Ki Jaan', and why her upcoming film 'The Bhootniii' is where she feels the real judgment begins. Palak made her film debut under one of Bollywood's biggest stars, Salman Khan. And while her screen time in the film was limited, she looks back at the experience with deep gratitude. "With my first film, I didn't know what I wanted. I just wanted to be out there, you know?" she says, honestly. "I'm so grateful for Salman sir. Really, like, people can say whatever they want, but I would have done it no other way." She recalls her time on the set not as a missed opportunity, but as a formative experience. "I'm so glad I was on that film set for my first film ever, because I learned so much. I learned what it is, what it means to truly be an actor, and a successful one, and still just be so hardworking. He truly is hardworking." According to Palak, the values and discipline she picked up during the shoot are lessons for life. "I've learned so much from Salman sir, and these are values and things that he's taught me that I will carry with me till the day I die. Truly. So, it was literally invaluable to me that I was with him for my first film." While audiences may not have seen much of her in her debut, Palak has no qualms about it. "At least in the first film. Like you said, there wasn't enough of me. It was Salman's first film, and nobody could take that away from him.

MIT says 9 student visas revoked without explanation: 'Extremely concerning'

Agency: The Massachusetts Institute of Technology (MIT) has said that visas and immigration statuses for nine of its international students and researchers were revoked without any prior warning or explanation. The move comes as part of the Trump administration's crackdown on immigration as well as an attempt to temper the activism that they perceive as hostile to conservatives. Till now, the US government has cancelled the visas of nearly 530 students, faculty and researchers across 88 colleges and universities, as per a report by CBS. In a letter to the MIT community, university president Sally Kornbluth on Monday expressed concern over the recent government actions that, she said, threatened not just MIT's operations but also the country's ability to attract top global talent and maintain scientific leadership.

"Since April 4, nine members of our community - students, recent graduates and postdocs - have had their visas and immigration status unexpectedly revoked," Kornbluth wrote, adding that the lack of any official communication or rationale from the government was alarming. While the institute was not directly involved in the lawsuit filed by one affected student, it says it remained "extremely concerned" about the broader implications. "These actions are interfering with the normal functioning of MIT," Kornbluth said. "They diminish our ability both to serve the nation and to attract the world's finest talent." The visa revocations come alongside a separate federal policy shift that prompted MIT and several other top-tier universities, including Princeton, Caltech and the University of Illinois, to sue the Department of Energy (DOE) in a Boston federal court. The lawsuit challenges the administration's sudden decision to cap indirect research cost reimbursements at 15 per cent, a move that could result in hundreds of millions in lost funding for academic institutions engaged in high-stakes research. Indirect costs cover vital infrastructure and services that support scientific research but aren't tied to a specific project. These include safety protocols, facility maintenance, data storage and compliance systems. MIT noted that nearly 1,000 members of its community rely on DOE grants, which were now at risk.

'Cracks' on Rs 3,831 crore JP Ganga Path in Bihar sparks concern

Agency: Days after Bihar chief minister Nitish Kumar inaugurated the fourth segment of the JP Ganga Path in Patna on April 10, the project came under public scrutiny due to alleged cracks discovered near pillar A-3 towards Didarganj. However, the State Road Construction Minister, Nitin Nabin, and the Bihar State Road Development Corporation Limited (BSRDCL) have clarified that the observed gaps are expansion joints, not structural cracks. Videos showing the alleged cracks in the recently inaugurated section circulated widely on social media, triggering concerns over the quality of construction and materials used in flyovers and bridges across Bihar. In response, senior officials and engineers from Bihar Rajya Pul Nirman Nigam Limited (BRPNNL), the nodal agency for the ambitious project, conducted an inspection at the site on Monday. Shirsat Kapil Ashok, Managing Director of BSRDCL and Chairman of BRPNNL, inspected the location and stated that the 10mm gap was an intentional expansion joint designed to accommodate weather-induced movements between two connected structures. Minister Nabin also explained, "In the JP Ganga Path project, what appears to be a crack in the bridge is actually an expansion joint. This joint connects the dirt wall of the abutment with the approach slab at the end of the bridge structure. It was initially covered by the expansion joint casting. The joint serves a specific purpose-allowing for the expansion and contraction of the structure." He added that the joint became visible due to vehicular movement following the commencement of traffic operations on April 10. "The joint was sealed with filler material, which was later dislodged. It has

been refilled. The bridge structure itself remains intact, with no structural cracks present," the minister clarified. Nabin directed the Chief General Manager (CGM) to submit a detailed report on JP Ganga Path by April 16. He also assured the public that he would visit the site personally for a physical inspection on Wednesday. The 20.5-kilometre JP Ganga Path, stretching from Digha to Didarganj, is being constructed in four phases at an estimated cost of Rs 3,831 crore.S